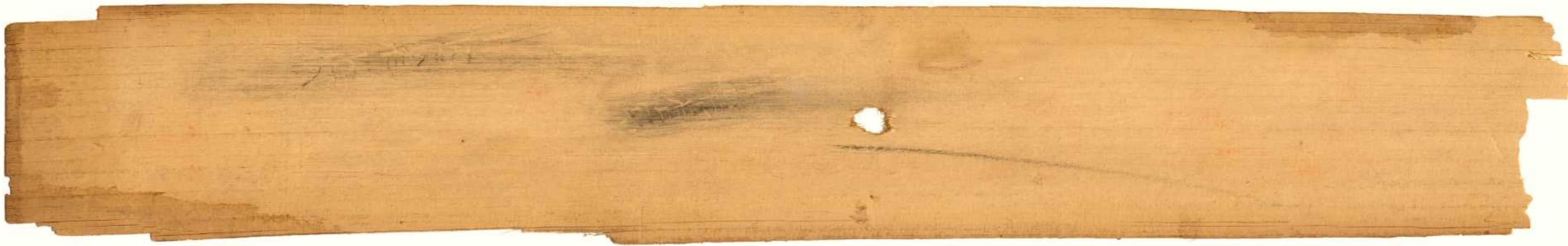


विशिष्ट
केसरी
चाली

६३

श्रीरूपालवर्मा महाराज



মন লবসিকিহিত বীর্ঘকননবাজিতাযোঃমবদমপা বিজাতমুখমবনপ্রমোদবানিগপম্ববতীকৃতাপালাবোদ্রুতকেন্দ্রাযব প্রমুতডতপ্রমুতযশামেবকীর্কবা ॥ স্বখ ॥ ককজ্যোবদ্বিহিয়া
 দীনচ্যাবিকসচত কদম্বনিদ্রকবধ কদম্বকম্বমসমুদ্রম্যচকতা মানচকজ ননজা কি
 কুতেশ্যনিদ্রীকজোবসতি ॥ গজবান ॥ স্কৃষ্ণপগজবাননানাম দ্বিতিপাশ্রবনানোহাষাস্তি
 মদিকম্যনুপাণবিজিতমজাজনুজর্ন চদ্বিগনচকতা যান স্কীকৃপাশ্রবনানাম পক্ষপাশ্রবণকা
 দ্বিত্যডপাচিতাঃস্ববসজাঃফনসুজমপালবানান পাশাণকচানান পক্ষপাশ্রবণকা
 তববালবসুপা নিদ্রগনুশীনিযেযা তে দ্বানিশকচেনদ্রেনমবনকচে প্রকৃতিদিয়ডপসখানামিতিচীয়াপবেণা ॥ গজা ॥ ককবাস্যদবাকৌববাস্ত তেযাজিহুশ পবসবমল্যাক্ষপবিদ্যাজিহ পবিষম্বজিহ
 সম্মা ॥ জিহবাবাজনপকিতিপতীপবিতা কদ্রুপবিষম্বজিহবকনিবাতপবেণবজ্রপক্ষদুদনা পবেণাবয়োবনীনিব সম্মপেতা গাচক্যামদ্রসমান ৫

প্রতয়া স্বপ্রম্যবিদনাবুভবম্যাদুবিগোমকম্যযস্ম্যাস্ত্যাবস্বপব জগ্নানিকৃষ্ণলাগ্নী
 বস্ম্যাবজ্ঞানাজীমাদীন প্রসজজয় প্রবণিয় সজাজপূজায়া দ্ব্যদিত্যযাতিদ্বিচি
 নসমপ্রমোদনপবিদুদান বিকসিতানিচর্ম্মিযেযেতিন স্ববকীকৃপাশ্রবণসতেন চেনো
 চিনান স্বনপক্ষপেজসান্দ্রসেদ্রোশ্রবনম্বতজেষপক্ষবাস্ত্রবনসল্যোবা স্বনপক্ষাববদী
 ॥ গজা ॥ ককবাস্যদবাকৌববাস্ত তেযাজিহুশ পবসবমল্যাক্ষপবিদ্যাজিহ পবিষম্বজিহ

३।११८

[illegible][illegible][illegible][illegible]

श ७४४

[illegible]

যাজ্ঞমজৌ একদেবাদযা বিমৃদ্ধিতমির্জোয়াণীতদাত্যোঃ সাতীকপমীহোজুতবজি
 নব মকলকুমহিদা সকলপবিশ্রামাশনোদকন উভয়বক্ৰীতদব্রতপাশসমুদ্রস্বাধিনা
 হুৰ্য্যথঃগারাবী সনুতানবতি কৃত্যশ্রবিরবীকামনমুদ্রতথো বায়ুথলয়শ্রুতদ্রামিনবা-
 তেযজ্ঞী সাত্তিকমাত্তিকিযব উভয়ীশ্রীসবসপ্তমধীকিয়াবিশেষবি ॥ ২২ ॥
 স্বাভবসেনভুতমাহেনবিমূঢ়মপ্ত গজিকী উভববীসতজোঃসবী সাত্তিকাসেবদ্রজী নুনদ্রা-
 পবদুগ্ৰজনাৰী ক্রমীবমবিহাশনাভিধানবত সন্ধিনামবতী জাতকদাচিদাপ স্রজনশক্যধনবা

॥ सुवर्णा ॥ अजसनी यद्वनमनेन कृत्स्नं सुवर्णमयं ननदधुमानं नमोऽपि अनिदार्थं मोक्षार्थं मातृविश्वेनैव बाध
 क्तमेव च नृपेव ॥ ॥ अथ वद्या ॥ मविनामनामकविनामिनीजनपदमविजमनिकीनोक्तकोमरीमाने।
 गीतमथानवगीतानामिदं दधुमानं सान्निध्यं स्रग्दधुमानं दिव्यं सुवर्णमयं दधुमानं दधुमानं दधुमानं
 मयदधुमानं मयदधुमानं मयदधुमानं मयदधुमानं मयदधुमानं मयदधुमानं मयदधुमानं मयदधुमानं
 ३० अथ वद्या ॥ अजसनी यद्वनमनेन कृत्स्नं सुवर्णमयं ननदधुमानं नमोऽपि अनिदार्थं मोक्षार्थं मातृविश्वेनैव बाध
 क्तमेव च नृपेव ॥ ॥ अथ वद्या ॥ मविनामनामकविनामिनीजनपदमविजमनिकीनोक्तकोमरीमाने।
 गीतमथानवगीतानामिदं दधुमानं सान्निध्यं स्रग्दधुमानं दिव्यं सुवर्णमयं दधुमानं दधुमानं दधुमानं
 मयदधुमानं मयदधुमानं मयदधुमानं मयदधुमानं मयदधुमानं मयदधुमानं मयदधुमानं मयदधुमानं

51753

[illegible][illegible]

नाम किं कृष्णजगज्जिह्वा कर्मानुष्ठानविधिः कर्म कवचम्॥

[illegible]

॥ ३ ॥ अथ विज्ञानं वेदनादिसंज्ञा

[illegible]

তদানন্তরোক্ত তস্যামানন্দমুখস্থিতস্তদ্বজ্ঞানভূতং বাহিঃপক্ষমাধ্যাক্ষিপ্তবাজাদ্রষ্টা দ্বাদিতিবাক্যার্থঃ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

৭। হাদিসঃ মুম্বাঈয়াহ আল-আল-বাহিয্জাহ লেখানো দানে শ্রবণ জগত জগৎ নো বিন্দু যন্ত্র বিচ কায়

॥ गणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

মহাশক্তি মণ্ডলীনদ হুবলোবদু তামিতা প্রভৃতি নন্দনন্দনমোচি হুবলোবদু তামিতা

বঙ্গদেশের ইতিহাসে বঙ্গদেশের ইতিহাসে বঙ্গদেশের ইতিহাসে বঙ্গদেশের ইতিহাসে বঙ্গদেশের ইতিহাসে

[illegible]

॥ ब्रह्म ॥ तेजोवदितुं इह यीषिदुःखदीनि

॥ दशमस्कन्धः ॥

শ্রী ২৩

যমিত্যর্থপশ্যাতশ্চৈদিপশ্যালশপশ্যাবিনোদী নিবানিহীলীবস্তব চক্ষুসাকটপ্রাপ্তপদীপদীপ অব কথমুতস্য সপদিত্তকৃণাদেবনবাটনেথান্যনুবির্মবিত্তপৃথকত্বশ্রুত্বকৃত্যবপা ॥৫৪॥ আগামস্ত
শ্রীমদ্ভগবৎগোবিন্দো নাম সত্যপুত্রীমস্তনম্রাচ কথমুতস্য দ্বস্তবাহ্য গোয়া পদিমস্ত্য পনয়স
থও দোদোষাতজাতজৈজাতিকোষগা ॥৫৫॥ হেহাষাষ্ট্রব বীধ্যোজি যস্যপষহবিপা
দহা বীধাধ্বাদ মবাপুহি যাবৎসমাবমস্তবী সমাবমস্তবপযন্তম ॥৫৬॥ শ্রী
ধর্মবজ্রতি স্মৃতানবৌদ্রম্যপমুদ্রোপজাবিশববজ্রমবপ মনীহুতবাজ্ঞাধ্ববোহু
গা ॥৫৭॥ গতিমাবহাখাধ্ববহাখাওতদগপমস্তা ১৪ ॥ অথ ॥ অথানবুর্জিতাদিপাতিপাকলুপামোমবুর্জিতকৃষ্ণম্যানমবদান্নাসহ নক্ষত্রমজ্ঞম বিদিত্তদানিসত্যাপাশ্রুতনয়নদ্রাবস্ত্রব

সুদজ্ঞান দ্বনবর্ষণজনেচ বিদিত্তব কোকর্জি শাকবর্জ বনবর্জগাপদ্বাঃ স্থিতঃ দিম্বাদন্য শ্রীমগস্তজা
সমস্তএব যথকথযোযজুজিহ্মানেঃ যন্তমুযজ্ঞেঃ দ্ববাদানগচ্যত্প্রজ্ঞা দ্বস্তবতমান্যার্থ
থানবুর্জিতমচ্যদেদ্যোগমতি মধুজিহ্মানেঃ দ্ববাদানগচ্যত্প্রজ্ঞা দ্বস্তবতমান্যার্থ
সিগীমোক্তিতবচপাশ্রুতনয়নদ্রাবস্ত্রব
কিন্তেম সামাজ্যত্ব্য সমাদুরিকান্তিবি
কিন্তেম সামাজ্যত্ব্য সমাদুরিকান্তিবি

পুত্রপর্বত বাজপাশ্রুতবলাকপদ্যলোককুজিহ্মবপ শ্রীমদ্ভগবৎগোবিন্দো নাম সত্যপুত্রীমস্তনম্রাচ কথমুতস্য দ্বস্তবাহ্য গোয়া পদিমস্ত্য পনয়স
কৃষ্ণকরমবদানকপামাভুত্বি অকৃষ্ণমাসিহ্মিকী একবপুণবতবপ স্মৃতিম
বস্ত্রাপযবস্ত্রবস্ত্রবপুর্জিতবিস্ত্রামহতি বৃহযোথগযাতি স্মিতিদেবাপ্রজ্ঞা
সমস্তপ্রতিপাস্ততজাত্যপাশ্রুতবলাকপদ্যলোককুজিহ্মবপ শ্রীমদ্ভগবৎগোবিন্দো নাম সত্যপুত্রীমস্তনম্রাচ কথমুতস্য দ্বস্তবাহ্য গোয়া পদিমস্ত্য পনয়স
মহীমাবিনবুদ্যম্যর্গ এনিমাত্তবানবদীববত এনিমব্রহ্মমার্থমাবিজানীচি শ্রীমদা
নসমুদ্রমতিবতিষ্টাতিমিষ্টনীতিম্য তস্য প্রনয়কথমুতস্য প্রজ্ঞানজনিজনিপ্র কৃষ্ণা দ্বিত্যবস্মানিযেন তস্য দিতি দহ্মমস্ত্য তেনদেদানবযোমাত্তদাভুদেঃ প্রমদেত তবহাধাবাওপ

যেনপুণবস্ত্রাপ্রজ্ঞাওজাত্যমামবিষবিস্ত্রো ॥৫৮॥ শ্রীমদ্ভগবৎগোবিন্দো নাম সত্যপুত্রীমস্তনম্রাচ কথমুতস্য দ্বস্তবাহ্য গোয়া পদিমস্ত্য পনয়স
পনবপবানবিস্ত্রো ভবমিষ্টমতএকিহ্মপুর্জিতবিস্ত্রামহতি বৃহযোথগযাতি স্মিতিদেবাপ্রজ্ঞা
ক ওজাত্যমামবিষবিস্ত্রো ॥৫৯॥ শ্রীমদ্ভগবৎগোবিন্দো নাম সত্যপুত্রীমস্তনম্রাচ কথমুতস্য দ্বস্তবাহ্য গোয়া পদিমস্ত্য পনয়স
তাদেদাওদিত্তবস্ত্রদানবাপদবস্ত্রাপ্রযেনতএমদেবজা বিদ্যুর্জিতকথমুতস্য জনজি
তেনদেদানবযোমাত্তদাভুদেঃ প্রমদেত তবহাধাবাওপ

३१८४

[illegible][illegible]

श्रीगणेशाय नमः

[illegible]

দ্বায়াত সাদেনেবিরিধে কৃতমালি অগণিতযাদৃষ্টিদ্বাৰেণ চেষ্টাযোবেতিবিলম্বনজ্ঞাবোধেষ্ঠ যথাকথিতমাদেনে ভিজাবদ্বতমতিবদানিতপতিভযাকঠিত প্রবক্ষ্যবজভাবমথবা
 নবাণ্যমমিণম্মাশিযৌমবনযন্তে তম্মবিদতি অকথ্যমিমমমদ্যোগতি কথ্যবন
 হজাবদেননিচমুকমাদেত তানযামাম কিম্বতমুক তব্বতবোমদীযানযাম্মা
 বতমানে ৪ গুণজাযোনাদোযম্মা আদেতি আদৌমদেনচাতিতউ তব্বকম্ম
 ত্বতো ৪ মূহতিমদাপনাত্তিবিমানিমন ৪ মদেদৌলিমমপমানমবাপ্যবিদিত্তিযাদ
 প্রথ ॥ অজৌবেদোবচনেন কোপমেবকম্মমচ্চীকম্মদ্বাকোপযামাম নিবাকোপমাতিগ্ঠকব কিম্বত প্রথমমাদৌ নবীবিজাবিকাবেততদ্বীকিতান্নাতিপদ্যতোব্রকনবকোযম্মাতাবী

३१७९४

॥ श्रुतं मनोविहङ्ग

॥ वक्रमाणवितो ॥ इदं प्रतिवेचनं तां नृदिक्कयनं यथवयनं यत्तु मनीषो यो यना मेघमुमाया
 यानमुत्तवानियमाविधि किमिदं दिलाह ॥ ॥ नवदे कवनवेन्द्रजामय
 ति एवाम्नाते अमाह वेद्वानवतुमाह वेद्वानवतुनेष्ट अहंतादि विवाहितमाके
 न्दाममहमानं प्रतीयमानं चित्तिं वचयज्जित्तिदत्तो ॥ एवद्याद्यायते नवयमा
 कोऽनुपष्ट आगतसङ्ख्यवचुपष्ट अकारप्रक्षेपेण सङ्ख्येन्द्रियकुलेष्टमवर्षे सुमेष्टु
 ॥ नमा ॥ अहं विव्रमहं तौ तद्वत्तु अन्वेषिधानानमिममात्ता जिह्वुज्जमाह्युपममतयप्रधानितनिय

[illegible][illegible]

त्रा २००

ववउकनिश्वरम॥ ॥ अथा ॥ यममदापवउतमान्यनिष्ठादित्तम्यकमगठकियायाठरुनीताहमीहतेवापुति अन्तुतयानिमुपवैनदेवनाकदाचिदेथयादिक यथाग्नादिलारुग्नाया
मामेनाठनमापिकाटनकहममया ॥ समथठ यतो ॥ कियथो ॥ वमठ मशजामयमदि
तामुतम्यकमगठ रुनीश्वर्यातिमकीताहमीहतेदुह्यादिकवोति आमेरुनतान
३॥ ॥ जमी ॥ यठकल्लादेममिमाशयातिमेवते तमाडाहजगतिमिमावेकतठश्वना
यदिसमठतोमानमथयिदेविषततेनद्वामिलथठ विरवणवमवणमपेयमठ
नमेवतेविरवणममीमयेननुदेहम्यतम्याजतिमिमावेकतठ श्वनवठवठथापुमापुवठवठनइमममवामाविलथठउदयविपदोनिवाकलशतयवाठयनिमुयवातिविगतानिकावणानिद्विगलिय

या ॥ नोदतनामलेनजीवतीतिनिन्दा ॥ सुतिसु ॥ यमवठतम्याइतिजनिम्यकमगठशु
तिमिथापठवठम्यामरुपमाह ॥ सुयमकियठ ॥ नमापिकाटनकहममठ वउतानिमुपवा
वठ्यावोतवति ॥ नेवविमतिठुवतीरथठयठउदयेविषादिठनिवाकलनिमिठमिवातिम
पामुम्यतदालयणानुतकनम्येठयठजतिनिन्दा ॥ सुतिसु ॥ यठकल्लादेममिमाशयातिमेवते तमाडाहजगतिमिमावेकतठश्वना
यदिसमठतोमानमथयिदेविषततेनद्वामिलथठ विरवणवमवणमपेयमठ
नमेवतेविरवणममीमयेननुदेहम्यतम्याजतिमिमावेकतठ श्वनवठवठथापुमापुवठवठनइमममवामाविलथठउदयविपदोनिवाकलशतयवाठयनिमुयवातिविगतानिकावणानिद्विगलिय

मामडावोविकवणवठिपिगिवानिलतठममकन्यायाठववादीमिकता ॥ ॥ पुन ॥ अथिअथिनमिठुनमठमपिजनमतिविलितयाठपववैनपामादिवा अठवामिठेमायादाविलितउनेवमे
क्रोपेठमविषाविठोवेठितयकवठ ॥ तितुठियातिअनविलयनालोनाकनेमपामा
पुविनाय ॥ अठवामिठेठुमुमकवठवनेवठिठपवितो ॥ तिकलठयावानरुपीमनेक
निहवाठेकाठुविजगतावानठमपितिठेकमुमिमायाविनेनमठ ॥ ॥ अथ ॥ अथि
जनमजनिठानिठिठिठवेवागठजनमकीठममवठादिवमीथनठितम्याठिववाठिठ
लिठवमाठगठमठठठवठवठ तथावठादिवमीथनठितम्याठिववाठिठ

गांमठेठमतीतिनिन्दा ॥ सुतिसु ॥ यठवठानयुनमठमापिजनममामिठमपामादि
वठियातिनोकानमिठुलवानरुपोजनमठेठेठठठयठतठुठमिठुलमठनोका
मठेठपकावम्याकम्याठितमेवकजनम्यामठदेवकवारमेवदलनयाति ॥ सुतिसु ॥ यठवठमठ
मतिनिन्दा ॥ सुतिसु ॥ अथिकम्याठितमेवकजनम्यामठनोकम्यामठदेवदलनमपेतिन
मठिजनम्याठिठानिठिठेठेठेन ॥ अथेठजनम्यामठदठठयठ ॥ ॥ अथा ॥ यममज

১২০৭

নেবকোনাথমিষ্মমুগতেমসবকেষুসুহৃদয়নখীর্জনাশয়ন নিচুর্জিষ্মথেনতিম
 মুদ্রদয়পঞ্চনিবন্ধোনিচুর্জিষ্মকতিনিদা। মুক্তিমু-এমমুজনাদিষ্মবমম্যাবাগ
 দয়াবিত্তিগাহানিচুর্জিষ্মকতিনিবন্ধোনিচুর্জিষ্মদীপা॥ ॥**কল**॥ সমস্ববাজমতযাতাথান্য।
 বিনোদযতিমুদ্রদয়পঞ্চমোলাদিনাশযজীলযপ-শ্রুতিমুদ্রমপ-প্রতিনিদা। মুক্তিমু-এমবাজ
 যদ্বিতমতিষ্ঠ বিদ্রুপপনপ্তপাননপ্তমমোতমোহুপেনচুতপ্তমনসাদসেবমইচুজকপ
 বিজিত্যমো পদমম্যবচনীযবহেতাভবতি-দ্বিতোহেতাপ্ত গদ্বলীথদ্বতিমুভাবচপনা

[illegible]

ল্যতপালাদিয়দ্বচনীয মিলিত্ত দ্বিত্য প্রতীতি সনাতনিক। এককপাথজতিঃ দ্বিত্ত
 জানীতেনাযিহি নিন্দ্যতে। তস্মানবশ্যে জনদ্বততনাত্তি সনাততি বশ্যে তু তত
 বদাত্তি নিন্দ্যে ন বদ্যতে অথচ অবগতে ছ। তস্মতি স্বন্দমানস প্রসঙ্গি বৈদ্যে বসেদেন
 ছন্দমাধো বৈতি যোগতিঃ সন্দেহেন প্রজ্ঞাতিকথ্যে কথমুদয়মতিতিঃ প্রকাশ্য।
 ঙানিকুণ্ডপ্রকম্ভজাতি। ॥ পরাণী ॥ প্রদ্ব্যস্তমহতোপমবজান্য মাধুবাঃ প্রকৃতলা
 মা দিত্তি নিঃস্বস্তাস্তি স্বকথ্যৈ গুণাবদ্বয়ন স্বদোজপদাদম্ভুযেব মদোবৈপিন্যতিগুণ

[illegible]

১২০০

[illegible][illegible]

৭৭শাংমহাশ্রবামহাজাতঃ সুর্য্যিপ্রাণমিহানিকিপ্রোক্ততদুদ্যাওমব্রথবর্ণাভীল্যগত
 স্তুতিমুত্তমপ্রাণমানমতক্ষীৰমপদাঘনীততবিমানমববনেষ্টংএতপৰেণশেণেনবনি
 যাঃপ্রপূজ্যাজ্ঞবিজ্ঞকবর্ণনকর্ণণ্যপদেঃবামনোব্রহ্মাশ্রভনবানবনিবন্ধবানিল
 যাবতসেনব্রহ্মাদোনভঃকমলঃবয়ঃপাঙ্কজঃনঃসারমেয়াঃকর্ণাংগাংসুমাতাবি
 ত্তিনিদাঃসুহৃৎগদমিন্দ্রজানমায্যোদ্ধবতঃসমকাৰিহাতদেবাহবনিবন্ধনাথনিভঃ
 স্রাদ্ধেতিওউ॥ ॥ কিন॥ অম্বমেবাকিবাবণাবিবনেবাবাৰণোহুতজাযঃপদেব

॥ १ ॥ **विषयफल** यतया ठा मा गिल यतः श्रुति क वण प डे प्र कृ प या ज न म म्मा द न ठ व ड्रा ति नि द
 ना वे रो च नि ना म्म र्थ बा म्पि य छ ले या व त श्र बा नि पा त ये कि ट य तः श्र म्मा छ ले कि ट म्
 य तः ॥ ॥ **क म** ॥ १ ॥ य छ द म्म द्वा नि मा य या छ ले य त या म्म ट् म्म व त कि म्मि ला ह व त्म
 व त्म ति य द्वा वि श्रु द्म प त नि ना क प त कि र्वा ति म्म म्म ति य प त वि ले म्म थ म्म म्म व त्म
 म्म त म्म म्म म्म ति वि व त्म ति म्म म्म द्वा ति य ति म्म वि ले म्म म्म व त्म म्म त म्म ति म्म म्म म्म
 त न व ति वि ना म्म ति म्म म्म श्र वि श्रु ति म्म म्म ति म्म म्म म्म म्म म्म म्म म्म म्म म्म म्म म्म

২০২
 যেত কখনীতিদাদৈব স্বচরিত্তম্মান্নেতনকিম্বান্নতামতিভাব জাতিনিদা মুতিস্তু স্বয়মেব কিসেবাবনা বিবদামিহ দেব কিস্থা তে যত স্বতিবনসিহ যদাধিযুতিতদলালমমাধিতি চুচুধিগত
 স্বচরিত্তথাচরিত্তা যদাধিযুতিস্বতমসর্বশীমদ্বিজিতমেববা ততদেবাবনা চুচুধিগত
 এষচরিত্তাপদম্মান্নেতনকিম্বান্নতামতিভাব জাতিনিদা মুতিস্তু স্বয়মেব কিসেবাবনা বিবদামিহ দেব কিস্থা তে যত স্বতিবনসিহ যদাধিযুতিতদলালমমাধিতি চুচুধিগত
 যাবালিযুতিনিদা মুতিস্তু এষচরিত্তাপদম্মান্নেতনকিম্বান্নতামতিভাব জাতিনিদা মুতিস্তু স্বয়মেব কিসেবাবনা বিবদামিহ দেব কিস্থা তে যত স্বতিবনসিহ যদাধিযুতিতদলালমমাধিতি চুচুধিগত
 মুজগতি ॥ মুকতা ॥ যদনাশ্চতনাস্তি তিস্মদম্মান্নেতনকিম্বান্নতামতিভাব জাতিনিদা মুতিস্তু স্বয়মেব কিসেবাবনা বিবদামিহ দেব কিস্থা তে যত স্বতিবনসিহ যদাধিযুতিতদলালমমাধিতি চুচুধিগত
 নীজনাদ্রোমাস্তম্মান্নেতনকিম্বান্নতামতিভাব জাতিনিদা মুতিস্তু স্বয়মেব কিসেবাবনা বিবদামিহ দেব কিস্থা তে যত স্বতিবনসিহ যদাধিযুতিতদলালমমাধিতি চুচুধিগত

[illegible]

২১০৪

গাববিসমগ্রথেমগ্রপাণমবিমুদ্রাযদ্বাকোপেনবিমুদ্রনমগ্রীবস্মাবয়ামাসত কার্যসমাবস্রবভাতিকিনথমাস্তি গোমপোঃ স্ববোমেদানুতোনগোবিতি কিনাতানুতন্তু অগ্রগোবো
বকিমুতমবিমুদ্রপণ্যগোপসমীপে সমুতপা মিদিসদপ্প হতোহগোযাতীতি
অগ্রবস্মাবনেনহুতভাত্যপ কিতথসিদ্ধো গোববসমগ্রথেমগ্রপাণমবিমুদ্রাণ
সুখা বিকটদেবানেনকোলিনা একানবাস্মাপ্পকপেলেদেলেবথকন্দবাত্ত
স্বাতাবিকোবাস্ততা স্বলোথেদে তিহ্মান্নিতাকৃতভাতিনিদা সুতিসু কোল
গপ ৩৩ স্তোমোলাজিগ স্বলোথল্যো ॥ যদ্বা জনদেববিস্থদুর্বি স্ববিস্তৃত্ত্বস্মাদে বাবিজনিবিস্থথেতি অগ্রবিবিকবাস্তদ্বাদ্যোক্তিক্রপাণিবিগোবদ্বিনাথ্যিত অগ্রততপ্তবানু

১৪

নিদা সুতিসু অগ্রতপ্তপোপ্তসমীপে বিমুদ্রদ্বাববীতি তদসাবস্রবভাতিসমাত্ত
পথিহা যদ্বাস্মাগো সুদাগাবস্রবভাতিত তদ্বতোনাইগোবিতিবিচিগা ॥
বাতোপাত্তোপায়াযতনাথাদেনজপ্ততত্তিবান্তিদ্বেদো মল্লেবপলোমুদতা
নাঃস্বত্ত্বজোনাথাদিতত্ত তিবান্তিমল্লেবমুদতা অগিত্তনবমুদতেতি কাকুথ্যা
অগ্রবিবিকবাস্তদ্বাদ্যোক্তিক্রপাণিবিগোবদ্বিনাথ্যিত অগ্রততপ্তবানু

এনাত্তিনাশ্রুত্ব প্রহণবসিতাশ্রুতাপ্রবর্ষ চামামেবাতাশ্রুতননতত্ত্বমিতিনিদা সুতিসু অগ্রবিজিবিমুদ্রতত্ত্বদ্রুতমান্দ্রুত্ব জমগাবাভ্যস্মাদিস্মাবভাবতথ্য মল্লেভাশ্রুতনবভাততস
ভাগ্যপ্তমল্লেভাবপ্তমভাগ্যতা ॥ কিস্মি অগ্রবিবিস্তনমল্লেভাকান্তমস্র
ধিসমস্রপিভাগ্যদবীতেনহুতথানাজিহ্বতমস্রপাশ্রুতি তদথাদতি
অগ্রবিস্তনমল্লেভাকান্তমস্রযতথ্য তথাকিমাস্ত্রুত্ব যতোবদ্বাত্তোজানি
এনপীডানসমুভতি ততোনেবাত্ত্যামিতথ্য ॥ অগ্রা অগ্রনাত্ত্বদ্বনদত্তিনপ্তদ্বকুযস্মাপিডিস্মাপ্তদত্তমস্রবিকল্লেভাত্তনভদথানি ৩৩ স্তোমোলাজিগ স্বলোথল্যো

যতথ্যাপ্তত্ত্বদ্ব অগ্রকিমিবাত্তিকিমাস্ত্রুত্ব যতোবদ্বাত্তোজানি
স্বাত্ত্বিকিমিবাত্তিকিমাস্ত্রুত্ব যতোবদ্বাত্তোজানি
স্বাত্ত্বিকিমিবাত্তিকিমাস্ত্রুত্ব যতোবদ্বাত্তোজানি
স্বাত্ত্বিকিমিবাত্তিকিমাস্ত্রুত্ব যতোবদ্বাত্তোজানি

৥ অগ্রা অগ্রনাত্ত্বদ্বনদত্তিনপ্তদ্বকুযস্মাপিডিস্মাপ্তদত্তমস্রবিকল্লেভাত্তনভদথানি ৩৩ স্তোমোলাজিগ স্বলোথল্যো

২০৫

পোটিতেনদন্তেনযতসখবহুশ্রীবধিলেতততবনলালিনিকিডাবিস্ময়ঃ কিমাশ্চর্যমমলননাহুশ্রুবাণলিমাধয়গীতিনিদা শুভিস্ত ততকোবিস্ময়ঃ বহুবিলিষ্ট
শ্রোতৃপাবকবর্ণাদৃগবতঃ যেনপাবিজাতলবণাদিকমকাবিতম্যাব
যাতন্যবধীদ্বতবান ততশ্রুতকাবেত বিধিবর্ণাদেবহি বনবানলাজ
নিবাহুদ্রকিয়াযেন বাহুদ্রক মিলিত তথাঃ শ্রুতধূপীকিচিবর্ষ
শ্রুতিস্তু সখমর্দনবধীত ততশ্রুতকাবেত নেবাহুদ্রকাবেতিমিতি কাম্রথ্যাগঃ নেবেতদ্বিধি বিনাসিত শ্রুতাবেদমালাতম্যমিলিত ॥ যদা ॥ স্বয়মগ্র্যমানপিমত্তিকিস

২১

দহদদবধীত তদাপমদ্যদ্যদন্তেনথলম্যতে পামবজনেনাগিনে বাতিনন্দ্যতজতিকাম্রথ্যাগঃ যতোনিকিয়াস্বার্থকাস্তু তিবিতিনিদা শুভিস্ত যদসৌকিমবধীত তদাপমদ্য
দাজনেনতাসাদিনাথলম্যতে সুযতে যতপালিতশ্রুতসাম্রদ্যদেবভূত ক
প্রিয়াণ্যথনাবেচেনযদচনমাদে ততশ্রুতমওযাতিদাহবে সুতিবেবাতবত
যদা ॥ তেদিপতিমুদ্রতাস্থ্যমপিমুতিনিদাবাচকমণ্যতো দেতোলবে বপবর্ণণ
দ্বতনম্ববাণা ॥ যদা ॥ দেপাগ্র্যমানপিমত্তিকিস
জনালাকঃ দহীতধীত পুনীতিমন্ত্রনালাপ্রচ্যঃ কিন্তুমবহাচবিত পৃথায়তপ্রবহাদেবমান্যতাসুচিতি ॥ যদা ॥ স্ববাহি বাহুদ্রমবাহুজিতেমগ্র্যদ্বিধি দন্তন যতবাহব

॥ अक ॥ वाकटकमालाद्वयप्रकाशसुखमनाङ्गनोत्तियेतिहाय वबलिप्रवृत्त्यालोचनमावावण

आप्यानेवास्तुशिल्पीकृत् श्रीकिंबुद्ध उवतश्चयनम् ॥ अथा ॥ ७३७

মন প্রবর্তিত হইল।

नाथोऽहो जयन्ती तथेष्टे ॥ ॥ अति ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

দেবদর্শি ফিট কামোজা বিজ্ঞান স্বনাম্য ত্রয়ো যেন প্রসাহনোঃ সাহিমু ঠা ॥

সম্প্রতি উক্ত স্থানটিতে জায়গাতে অমর্য্যভবন্তি প্রাপ্ত প্রাণিকবিন্যাসিতাষ্টমতেন।

॥ नठ ॥ तदा तस्मिन्निजमययद्वन्द्वोऽपि उत्तीर्य विप्रमाणा मायायाः शक्त्या मापयति

চর্চনিকুপ্তত্বমোচনচক্রাঙ্গমতস্তদ্ব্যবস্থাসম্মতানবধিক

জয়কণ্ঠ শঙ্করাচার্য্যব্রহ্মস্বরূপকাব্যতীর্থচন্দ্রবদনোবদনমুখোত্তরকল্পজয়িদ।

বর্ষমন্মাসমন্তৃতঃ গণ্যামাসঃ কথ্যতি কাঠনিম্বিবশজাতি ভাষ্যসিদ্ধান্তবোধজাতি

नमोऽस्तुते भगवते कृष्णाय नमः । विद्वत्पुरुषैर्गौरवान्महात्मनाम् ।

॥ वाहस्यैव सुपात्तमममुमेपक्षत्रमासुमाहवैदिक्युतिवमेव ज्ञायमानह

ধীমান্তি যেষাং শ্রুতিবান্ধ্যমাতঃ দ্বিম্মাদেভোজ্ঞানন্ত্যচিতি অবাগ্নবন্তঃ

॥ बिलि ॥ बिलिनाममष्टछतापे बावम्यातत प्रथममप

बुद्धिनिष्ठवत्त्वमेव याम्ना ज्ञियावाश्च मलविश्रितमित्यर्थः किञ्चित्तया ॥

॥ १ ॥

নামসম্মানার্থে ১৭ খ্রিঃ সম্মানার্থে ১৭ উত্তমোত্তম সমস্ত দোষসমূহ পটবোধ

॥ बडा ॥ अथानुबन्धेदिनीहृत्तेराजानपवडमादेगाद्वदतम्युष्टालागठसल्लमभित्तकाष्ठश्रुवाति
रुक्मिणीसमसाप्रम... नि... रूचित्मेटीकमयीमभित्तकाष्ठअतिनोके

দুৰিতাশমস্বদ্ব্যমুখিকিমুখিপা কুচিৎকুটীকময়ীমভিনাস্বকাপ্রভিননোকে

কৌমুদীমাণানি লেখ্যৈবন্যস্বমানাওস্থাবদনানচ যবতত্ত্বাদিবন্য
শীর্ষমাণ্যাতোযবহস্যবনমৃতিমজাভিনামাস্তথা ॥ দর্শি। শুদ্ধপদ্ম

লাহি সাত দ্বাভে যিকুন্তু বলা যাবব্র... উক্তবান গুরুনিষ্ঠান

नाथनयथाकामम् ॥ विधाविशुद्धिनि ॥ मुख्यनिर्माणकृतकारिणाश्च ॥ विमाननिर्माण

॥ किमा ह्युपपत्तिस्तु च्छावजेवमीडिप्राप्तयेष्टमहत्तुजिष्णुश्रेष्ठकृष्णकिन्नाडिह्य किन्नाडमावधहस्तनिमन्त्रणे

कृत्वा त्वेन तीक्ष्णं कृत्वा त्वेन तीक्ष्णं ॥ अथ ॥ अथवा द्वा नामाद्वयेन वा

হবিবধনশ্রবিস্মৃকিৎ প্রাবল্যকিৎ চণ্ডেমূবসদ্বীজঃ প্রীতবিক্রমস্বয়ম্
 বিদ্যমানোপকরণী ॥ বিদ্যমানবিশ্বকর্মে বিদ্যমানবিশ্বকর্মে বিদ্যমানবিশ্বকর্মে

[illegible][illegible]

॥ निमिषं हि मासं मघातिशयं चित्तात्मनो नृणां ॥
 ॥ निमिषं हि मासं मघातिशयं चित्तात्मनो नृणां ॥

5/27

[illegible][illegible]

১৮৭৭

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ज्ञानप्रपञ्चविभक्तिं धारयन्ति यन्महाशिवदिवङ्मोक्षदक्षिण्यं कालभङ्गेवत्तज्ज्ञायन्ति विपश्चा
 न्मुक्त्या क्षणजालिपवद्वा द्रष्टुं निपतसि यन्तु तथा सन्निविष्टविषयवाङ्मनोवचनकाशि
 यादिसां प्रगाथीमर्जयेयति विभक्तिं यत्तत्पदोपपन्नञ्चिद्विभक्तिं वाङ्मनोजिनतं प्रोक्त्वा
 ह्यनन्तं ज्ञानं ब्रह्मवैश्वानरादिजगत्प्रवर्ति। प्रगल्भं कुसुमाय यत्तत्तद्विभक्तिं यत्तत्तद्विभक्तिं
 यन्ति प्रगल्भं ज्ञानं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

২৫০

ধর্মতত্ত্বমাত্তন্যাদ্বন্দ্বকীদৃগাসবধ বিকটানুপপত্তায়েব তবালমোচনানি যস্যসুপদ্যটামেধী পাতোব তে কল্পান বৃষ্টে স্বাস্থ্যস্ময়ে যস্য একমুখ্যাকৃত্যার্থঃ। প্রপবন্তু চেযন্নসি দিব বনীর্দ
 তেচেনদ্যটামেযস্য কবিদ্যটামাচ্চ্যাব সম্বাদেবমহিতোবাসবগন্দোভ
 ববাত যদিবা প্রকৃত্যস্থানবাদচ্যন্যদিত্তবানশ্রুত্বমধিকীদৃগাসবধবিকাসিত্তে
 মজায়াবতসাদৌঃ স্বকৃৎসাপগত্বা পৃথিবীকেনেনেতাচ্চ যবোযেচনিত্ত্বানকল্প
 ৭নামুকনীযমা শ্রাবাসহ মহাগদেনাযজেনবত্তত্তত্তিসগদগদনদ্রাহমহিত
 মবেচপাগত্বান মহাসামাটিলেব স্বণেনম্বদেন সপ্রতিপদ সপ্রতিপদ প্রহুপগন্তুমহিসি স্বহুযিমাগতবহাযমাইপনা যস্মাৎ কীচকর্দ্ব শ্রবণানিগন্তানিগন্তানকল্পদ্বতযোভ্যো

যস্যসুপদ্যটামেযস্য কবিদ্যটামাচ্চ্যাব সম্বাদেবমহিতোবাসবগন্দোভ
 ননপদ্যটামেযস্য কবিদ্যটামাচ্চ্যাব সম্বাদেবমহিতোবাসবগন্দোভ
 মজায়াবতসাদৌঃ স্বকৃৎসাপগত্বা পৃথিবীকেনেনেতাচ্চ যবোযেচনিত্ত্বানকল্প
 ৭নামুকনীযমা শ্রাবাসহ মহাগদেনাযজেনবত্তত্তত্তিসগদগদনদ্রাহমহিত
 মবেচপাগত্বান মহাসামাটিলেব স্বণেনম্বদেন সপ্রতিপদ সপ্রতিপদ প্রহুপগন্তুমহিসি স্বহুযিমাগতবহাযমাইপনা যস্মাৎ কীচকর্দ্ব শ্রবণানিগন্তানিগন্তানকল্পদ্বতযোভ্যো

কর্তব্য

১৫৫

যোবি শ্রেষ্ঠাতিশা দ্বিষন্তে হ্যসম্বন্ধিনীলাষদ্বন্দ্বমমবোচ যতশুকিলাচোদিতানিহ্রদধবং তনিতানন্তিতাএকবন্দ্বখমামবাজিযবতপ্রতিজ্ঞবক স্বাক্ষিনিদ্রা তেনকৃতম
 জগদ্বিধা কীর্তনপ্রাণাধমিতি প্রস্তুজি গবিচমুকাজোষমবজ্জিত বস্তুস্মিতমা কি
 মবুবিষয় অন্তঃপ্রমাণমবহুতথ্যেনপ্রকারেণকৃত্য যদ্বচোহাদি বচনস্বকীয়থ্যন্তুপ্র
 তিহ্রদ্বপনক মাণয়স্বক্য সান্দিগপপদার্থশত যনু। ক্রিয়ব্রজমিতি বিচার্যমাণ
 পাণ্ডুর্যযততসকলার্থ জ্ঞাবস্তুত ত্যাসকলার্থিত্য। ব্রহ্মোষ্যোজোঃচতুষ
 পর্যালোচনয়া ব্রহ্মমন্তবহিব্রহ্মবিভাহতপ্রদযঃ ॥ প্রান্ত। একমেবএকপ্রযনোজীতবচনমুচ্যে নিহ্রদপ্রকটবা কাফপনাশাদেণ্ডযহতিলাকন্যাতবায়তপনাশমিব

[illegible]

५२५

[illegible][illegible]

ই। ১৫২

কৈ যোজিতবিজিতমুবসহস্রদৈবাহজ্ঞার্থকৃষ্ণজিতফোবসুখকোবজিতপ্রতাপকীর্তনামুখিবযোণানচক্ষুমাযকৃষ্ণাকারনাযবমিত্তিমালা ॥ বচা। কক্ষুজ
 নবচোভিতনুতানাগ্রহমদ্রুদগোহোতিগদ্রুতবহিন্মলপ্রবাতববকী
 গোবোভিব্রজমালা ॥ পরিানযস্যসুমা দিকপকম্পনগুণস্বায়েযপপকিত
 তিকিত্যিগতদেতনমদ্রুতাতেনিষ্কণব্রজমানবনবর্ষপ্রমেদোদাষী
 ওষধনদয়েসহজাব্রহ্মণনিজদোষেজাতক্যপসুদোষকদাচিদাননপথ
 মবাচপ্রমেগুণকথেনসহস্রজিহ্বাগলব্রহ্মপবব্রুগহল্লগুণকীর্তনেন্নিতরায্যমাগুনমুকাপ্রগুণাবতাযন্তগল্যগপ্রজ্ঞাসমুজ্ঞাবাদামোদাষীপব্রুগবানৈব

খন্নি প্রকৃচ্ছজমুভি বর্ষগুণগামদ্রুহিণা মোদোষাবিস্করণিকাবি এমত্যাচমুভাবগতিব্রজমালা ॥ প্রক। মনস্বিনী চিব্রাকুবিদিতানথগুদেযাত্রিক্রিষ্টমহতকৈশর্গীতথানৈগুণা
 নসিদ্ধনামপ্রাথ্যমদ্রুহমচর্ঘ্যপ্রাকৌশলমিভুতম্পদহৃদ্বিজ্ঞানপদব্রুহীদ্রব
 বিষ্ণুদোষাগতিতপযোজিতপদজ্যেষ্ঠতসম্রায়তপমুগুণগ্রহণমুকাপ্রমুগ
 যতোহাযনমোককীর্তিসহিব্রোকৌষ্মতে প্রমপ্ৰসুতমদ্রুহনামৈগুণস্ব
 হুববাক্যগতিপ্তমাদ্রুজিতবতামামৈমুতিগকৃষ্ণমু কোভককম্মান
 কোপস্বখণ্ডি বিষমদ্রুগবতি যথা সম্রায়সদিগল্যেব মোকমাত্রিতপ্রকাহদপ্রবালগপ্রকোপবিষমদ্রুমুগীতযেষ্ঠতপক মোকমুগতযোহুজ্ঞানবিকালতমহতি। যোজিতব্র

ছানকথাস্বতমনিপতিমঠযেতা নঠেষ্ঠিযাব্যমল্লমিতিবক্রমাছা ॥ শ্রুত ॥ মৃত্যুপার্থ্যদ্বিহিতমানসাস্বিদগৃহকৃত্ত্বজাসাবস্থা তদন্তোযোগ্যগামহর্ষিত্যচনীতকালেবা
 নবিকৃত্ত্বাকর্নবিক্রিমনিকবধনীতভাবার্থনিষেবিত্ত্বকিম্বদ্বিত্বজাতিস্ব
 ত্বদ্ব্যমৃত্ত্বফলবাগ্যগাহ্যভেষ্মী। একলছোদ্রসমুভবনায়মানএবসাহী—
 ঐযথোষ্ঠিবিবাবিষ্যতিতত্ত্বম্যাদিত্যোষ্ঠবদিত্ত্ববাহা ॥ ১১ ॥ শ্রুত ॥ ভবনম
 গীত্বাতিমতিফ্রানুযানস্বীকৃত্ত্বাতিমহীতাবিনম্যতএতদবহিত্ত্বলোতি ॥
 জনকতপাদকৃত্ত্বম্যাদিত্ত্বাভবান্যদাকামেকনিবিত্ত্বদামনসিজহাজনকগাননত্বপুশ্রুতপাদকৃত্ত্বতদবহিত্ত্বমহগুণভিম্যাদবগাদিত্ত্বিত্ত্বমজনন্যাদিত্ত্ব।

[illegible]

২৫৫

মুনি তজ্জয়গত জীব সাদ্বর্জো মোহব এতানিকিলাব্রযবচনাহু মলানি সন্ধিস্থে তিপাথনেলোট ॥ কালকিসাস্ববাদিববাহুপোহস্বাবমুপ্তো ॥ প্রবাহনিত্বাহুজগতাহা ॥ ১৭ ॥ জিতবিব
 দ্বি বাজ্ঞানভিন্নমসে তথাধাতুধর্মকরমাত্রদিনকর্ষ বাহুদ্বিবাহু সঙ্কটকমে।
 মতেমোহাবিসমীমেবিচবমুখিাদেব লামুচেম্বামবকবিস্থিততথাহি কীহুলা।
 ৭৩৩ তথাকু বিতরুতচক্ৰগঙ্গসঙ্গদ্বী স্বরুকাবাজহু বিলম্বাযানসঙ্কহিতোদুগব
 নকিহুত্ব স্ববহনথওনগণনাপদমিতাহা ॥ নিহা ॥ তেদিপতিহিববাহুগোম
 যেন গম্মাত তথাকমাজিজি বিক্রমোহুত যবেণ বিপ্রতপ যোহিনিহুত সমদর্শিযা দ্বিবদাত সিহানুবিভেতি তম্মাহুদ্বিমোহেবু কাগণনাস্বাহা ॥ ১৮ ॥ যোথ্যাসকানুমাহাশ্রবণুনী

২ সঙ্কটসুসংকেব বাহুবিলাহুত্থাখানামযশ্রুত্বাহুদ্বি ॥ তদবোপোহনযতি ॥ ১৯ ॥
 জিতমীনকেনমপবাহুতপ্রমুপ্ত শ্রুতবহু মুগিলেযাদববলেনুম স্কুতশ্রুতযার্থদী
 কণা৩গবানাপ দক্ষমম্মাথওহু শ্রুতিপওভিঙ্গলেনুম স্কুতশ্রুতনিহুতকাস্ববশ ॥ ২০ ॥
 নবশ্রুতি যদ্ববিষয়কত্বাদবপ কীহুলাহুত্বনিহুতামগোহুদ্বিমুপ্তবহুতবলযাপীডো

॥ ২১ ॥ নজা বদম্যচেহুত যেনাবযোহুত্বনেহুত্ববলচনুবিহুতমো নজেষপিলাযমানানিষ্টমুমেবেহুত নজাতকদাচিদ্বিহুত স্বী ॥ ২২ ॥
 যজতিবপশ্রুত্বমম্মোজমা ॥ ২৩ ॥ ২ ॥ যাবাহেতাযে ২বহুতম্মাহুমেধাবহু
 যান্নিববনবাজিতহা ৩ ভাদানীসিহুত কীহুলামেধাপতবী উকসিগপসুবিহুত
 স্রবনসিহুত স্রবিত্তিযেমা তেপতবদসিগপ স্রচিবি হুতকাহুতিযেমা তেইবিহুত
 তথামম্মাপদম্মাহু ক্রিতিপতিম্মহচমম্মাহুতব বহু কোপ্তননেবহুত বাজানো
 হুত আনবপ্তকেববনিহুত মল্লধিবিলাসযিতহা ৩ শ্রুতি ॥ ২৪ ॥ যথশ্রোবচাথে ॥ ২৫ ॥ যশ্রুচশ্রবন মপেনমমমানতিম্মদাত ২৬ ২৭ ২৮ ২৯ ৩০ ৩১ ৩২ ৩৩ ৩৪ ৩৫ ৩৬ ৩৭ ৩৮ ৩৯ ৪০ ৪১ ৪২ ৪৩ ৪৪ ৪৫ ৪৬ ৪৭ ৪৮ ৪৯ ৫০ ৫১ ৫২ ৫৩ ৫৪ ৫৫ ৫৬ ৫৭ ৫৮ ৫৯ ৬০ ৬১ ৬২ ৬৩ ৬৪ ৬৫ ৬৬ ৬৭ ৬৮ ৬৯ ৭০ ৭১ ৭২ ৭৩ ৭৪ ৭৫ ৭৬ ৭৭ ৭৮ ৭৯ ৮০ ৮১ ৮২ ৮৩ ৮৪ ৮৫ ৮৬ ৮৭ ৮৮ ৮৯ ৯০ ৯১ ৯২ ৯৩ ৯৪ ৯৫ ৯৬ ৯৭ ৯৮ ৯৯ ১০০

যদিমাস্রতত্বোবহুবিলাযদিত নভবতি স্রাস্রতত্ব নসম্মোহত ১০১ ১০২ ১০৩ ১০৪ ১০৫ ১০৬ ১০৭ ১০৮ ১০৯ ১১০ ১১১ ১১২ ১১৩ ১১৪ ১১৫ ১১৬ ১১৭ ১১৮ ১১৯ ১২০ ১২১ ১২২ ১২৩ ১২৪ ১২৫ ১২৬ ১২৭ ১২৮ ১২৯ ১৩০ ১৩১ ১৩২ ১৩৩ ১৩৪ ১৩৫ ১৩৬ ১৩৭ ১৩৮ ১৩৯ ১৪০ ১৪১ ১৪২ ১৪৩ ১৪৪ ১৪৫ ১৪৬ ১৪৭ ১৪৮ ১৪৯ ১৫০ ১৫১ ১৫২ ১৫৩ ১৫৪ ১৫৫ ১৫৬ ১৫৭ ১৫৮ ১৫৯ ১৬০ ১৬১ ১৬২ ১৬৩ ১৬৪ ১৬৫ ১৬৬ ১৬৭ ১৬৮ ১৬৯ ১৭০ ১৭১ ১৭২ ১৭৩ ১৭৪ ১৭৫ ১৭৬ ১৭৭ ১৭৮ ১৭৯ ১৮০ ১৮১ ১৮২ ১৮৩ ১৮৪ ১৮৫ ১৮৬ ১৮৭ ১৮৮ ১৮৯ ১৯০ ১৯১ ১৯২ ১৯৩ ১৯৪ ১৯৫ ১৯৬ ১৯৭ ১৯৮ ১৯৯ ২০০

श ५२७

জন যন মহান্যাদমূনাচ্যমুনযাতি ক্ষুভমহাতিঃ না লতমুনর্নবতর্যধা ॥ কিথঃ কালিদাসোত্তোষনমদহৃত্তাবদ্বাবাহন কাবিল্লাত্র বলেনাকম্যনীয়াবগানিনঃ পশা দ্ধানিনঃ কবোক্ত তথাহী-
বাজানি শ্রুপণতমতথীক্ষপযতি তিবক্ষত্রা চট্টেপ্পাতিস্তিত্ত প্রতিকূনিব স্থাতি কুনান্ত
তি মহাব্রদাত্তঃ ক্ষচ না পুখালিত্ত প্রসবধন ক্ষচিদান্নভিরূপাযঃ অনিবা বিভেদুগা জলোযো
চতুষ্টিকনকনা ॥ ॥ প্রনা শ্রুযাভোত্তোষনমদঃ সমুদ্রাঃ জাথো মনুশ্রুযাভো
বিসমুদ্রাগান চিবস্থানমুথঃ প্রি মাহ্মদিকবাসাঃ কীড়শীঃ মহামালা কাননা নিনীঃ সমা-
নোপান্তায়াঃ তিস্তাঃ ॥ প্রহ্মমাদনেথাবসনা নাস্থথন মহামাল কাননা নিনীঃ তথা সমন্তাঃ দ্বি-
হাঃ প্রববব নিবত্তবমম্ববাসোহা তিস্তাঃ দ্বি-
বোত্তিহ্মিপাতি গতিপ্ৰবজ বোদকম্যযঃ সবিতপ্রিঃ চিহ্নিত্ত টেনে ব্রুতঃ গম্যঃ গীড
দমনহান হৃদঃ প্রাচুসেৎ প্রাঃ শ্রুতব কচিদ খালিত্ত প্রসবোন নিহৃত্ত যথা কচনেতি ক্ষচিদ
প্রহ্মমাদনেথাবসনা নাস্থথন মহামাল কাননা নিনীঃ তথা সমন্তাঃ দ্বি-
হাঃ প্রববব নিবত্তবমম্ববাসোহা তিস্তাঃ দ্বি-
বোত্তিহ্মিপাতি গতিপ্ৰবজ বোদকম্যযঃ সবিতপ্রিঃ চিহ্নিত্ত টেনে ব্রুতঃ গম্যঃ গীড

॥ १ ॥
 ॥ २ ॥
 ॥ ३ ॥
 ॥ ४ ॥
 ॥ ५ ॥
 ॥ ६ ॥
 ॥ ७ ॥
 ॥ ८ ॥
 ॥ ९ ॥
 ॥ १० ॥
 ॥ ११ ॥
 ॥ १२ ॥
 ॥ १३ ॥
 ॥ १४ ॥
 ॥ १५ ॥
 ॥ १६ ॥
 ॥ १७ ॥
 ॥ १८ ॥
 ॥ १९ ॥
 ॥ २० ॥
 ॥ २१ ॥
 ॥ २२ ॥
 ॥ २३ ॥
 ॥ २४ ॥
 ॥ २५ ॥
 ॥ २६ ॥
 ॥ २७ ॥
 ॥ २८ ॥
 ॥ २९ ॥
 ॥ ३० ॥
 ॥ ३१ ॥
 ॥ ३२ ॥
 ॥ ३३ ॥
 ॥ ३४ ॥
 ॥ ३५ ॥
 ॥ ३६ ॥
 ॥ ३७ ॥
 ॥ ३८ ॥
 ॥ ३९ ॥
 ॥ ४० ॥
 ॥ ४१ ॥
 ॥ ४२ ॥
 ॥ ४३ ॥
 ॥ ४४ ॥
 ॥ ४५ ॥
 ॥ ४६ ॥
 ॥ ४७ ॥
 ॥ ४८ ॥
 ॥ ४९ ॥
 ॥ ५० ॥
 ॥ ५१ ॥
 ॥ ५२ ॥
 ॥ ५३ ॥
 ॥ ५४ ॥
 ॥ ५५ ॥
 ॥ ५६ ॥
 ॥ ५७ ॥
 ॥ ५८ ॥
 ॥ ५९ ॥
 ॥ ६० ॥
 ॥ ६१ ॥
 ॥ ६२ ॥
 ॥ ६३ ॥
 ॥ ६४ ॥
 ॥ ६५ ॥
 ॥ ६६ ॥
 ॥ ६७ ॥
 ॥ ६८ ॥
 ॥ ६९ ॥
 ॥ ७० ॥
 ॥ ७१ ॥
 ॥ ७२ ॥
 ॥ ७३ ॥
 ॥ ७४ ॥
 ॥ ७५ ॥
 ॥ ७६ ॥
 ॥ ७७ ॥
 ॥ ७८ ॥
 ॥ ७९ ॥
 ॥ ८० ॥
 ॥ ८१ ॥
 ॥ ८२ ॥
 ॥ ८३ ॥
 ॥ ८४ ॥
 ॥ ८५ ॥
 ॥ ८६ ॥
 ॥ ८७ ॥
 ॥ ८८ ॥
 ॥ ८९ ॥
 ॥ ९० ॥
 ॥ ९१ ॥
 ॥ ९२ ॥
 ॥ ९३ ॥
 ॥ ९४ ॥
 ॥ ९५ ॥
 ॥ ९६ ॥
 ॥ ९७ ॥
 ॥ ९८ ॥
 ॥ ९९ ॥
 ॥ १०० ॥

নিম্নে মুখ্য ভূতভেদে প্রভাবক চিহ্ন পতাকিতঃ স্বপ্নানং কষ্টে নিম্নানুনিশ
 যত মুখ্যমহমতীর্থঃ। প্রবাক্ত্যে কষ্টকাহ্নদাদীনিত্তে গগনভুক্তকামানকে
 জেপযস্থার্থে স্বাভ্যতপধার্যাদ্ভুক্ত্য বিপ্রাক্ষিপ্যপ্রাপ্তবন্তি শ্রাদিত্তে ততমর্ষদ্বিপ্রিত
 দবাভবিদহনুপ্ত ভুবনকৃষ্ণকবিত্যতি যবানুগকিতমহতোদমানদহতিঅন্তবা
 বাস্বকানুভুক্তিযবিদ্যাযাভ্যগবদ্বাক্ষ্যাত বেতানিকষ্টঃ ॥ পক্ষিঃ যদাদেবান

ই। ১২২

কৈশ্যপানোযোবপতযযিহুবতযস্তাশুম্মদীববিপত্তাবগথুমেনবকাবোনিতবিস্মষণাশমদি বিবিধস্বষণাশবিপদিবিগতস্বষণাশতথাহিসম্মদিতাবতবস্বযচিনননবিদ্বিত্তি
 ববচনাহনজবরসেনযাববরসেনাববোজমুবিদগবিতপনেঅচপতিগতুনেহাসুকা
 মনবিস্তারসম্বজাবলাপপাপুপগথেসিপদিস্বষণাশস্বাপচাববপ্ৰযনিবচনদা
 ক্তবাবাহুদুশোহ্যোহনসম্মেখলাপনীকশনাজাকারপ্রদুষপকাতাগশ্যাসো
 পুমা। বীজাস্বরমাদা ॥ বিনি ॥ কিবস্বনা বসিযতিসম্মোমাবহিহা। লক্শ্যপালত
 সবকণাত্তস্বরণপ। দয়াবিত্তেতাশকদাচিনুভিবদস্বিনাগলানকিদতামনাচুলাদীনবস্বীকপবিসমাজিতসমৃদ্বিবিবিত্যপবশবাহিবা বতকত্তাস্বপাশাশীস্বতবপ্ৰদাহালানেব কাকহা

দ্রাহেবাজাভিস্বযুতীতিবাক্যথগাভিপদনমকিহুমা ॥ গ। তিবীপানবিচিগহামিঘটীকয্যিসোডলশস্বপ ॥
 পতথ। চকস্মজালযপযদিবাসদ্যাবিলেষণমেতত কীহুমিদপাবিস্মৃত্তদ্বিহিগাচব।
 স্বনা দ্বতনবাগিগুনাগথেবচনেভিহিতমতি সপদিচস্মনানন্তব কীহুলবচসি।
 পসহদপস্বহ্মমেবদ্বিতেনোভুবচসিজগতসিজিহুহুগবদ্বনমস্বহুত্থাতি
 বাগযানোহিতহা কাবলেকাযোপচবাত তথা স্মদ্বিত্ত স্বেদাস্বদপযোযযাত
 যাবাতযাস্বদাস্বদিত্তস্থাপাত্তাদপ্তোববোযশ্যাপযযাব। স্তম্বাবযতমবযথা। ব্রহ্মতময। কযাচিমেতত্ত্বত্থত্থ। তেতজাগত্থকীহুমা। ববিনমা। ইববজযা

৥ প্রজিত্তমদপ মাঙ্গজা ফাটীগাকথ মদ্বিনাসদ মদ্বদা
 দহিত্তত্থ। বালকপালাচাদিসম্ববিন। লেকুতোচর্মকথদ্বিত্তি
 কন্যাত্তোদ্বতবাত্তপচপ্তে যথা যগস্বযুক্তিতবাত্তেমতিমহাপ্রনয়সম্বহত
 ক্যথিগা। সস্বৈয়কচিবাচুতমা ॥ সব। ॥ স্বথবাজানেকস্তাভ্যাকাচাপ্তাশমা
 যাবোষণোহি। স্বেদত্থত্বতি তথাপালতাননেন ধ্বনিতম্বপীঠি যম্মাপ্তযা

३१२४

[illegible]

ত্যা ২ স্কন্ধে দর্শিতম্। অথ বা যস্যাস্ত্য। সামান্যেন নৃপা অতি ভীষাধুনা বিজ্ঞা
 ত্বমেবালক্ষ্যত কিংবা পালত্বলানি তাহ্মীযস্ব। বুদ্ধে ২৩ বক্রলান
 সপ। স্মৃচমত্তপ। কেচিন্দুত্তি যদা দ্বষ্ট কস্মিৎ বা যমদ্ব্যর্থী যাদ্বদ্বী দ্বিবেদ
 মদোবস্মেয়কিংগা তথা। স্মৃনিদ্বীশদ্বষ্ট স্বনিদ্বীশা। ॥ স্মবা। বস্মো যদব
 ত্তি প্রাপ্যেতৎ বুদ্ধমেবগতং যজ্ঞোমোহাসবল্য। স্মবদ্বত্তি বিবল্য যজ্ঞোমোহা।

১০০ জায়তেপবিহুগুগদিত্ত্বকথিবর্ত্ত্য সমুদ্রদ্বাধীযোহাৰমণ্ডনম্বজাকলাপোযত সমদেভামিতমিবাচবাতিত্বনবপা১৩।।
 বসনানুমাৰতেকককুবজাথলপচতু নপকৃতপবিশুদ্ধবীজনমশ্রুতযিহ্মিতমা যদি
 শুভবীজনমাৰ্য্যামগা ॥১৩৥ নিম্বকাখ্যৈপৰ্জীতোলোকপৰজাপতিদত্তানিবনযিহ্মিতমা
 বোদেপজবন বোদাখ্যৈপৰজাপতেদ্বিহ্মিতমাযজ্ঞোহানিকীটলানিম্বকাবোদেবীদ্বিহ্মিতমা
 প্রামাণ্যেপৰজাপতিদত্তানিবনযিহ্মিতমাযজ্ঞোহানিকীটলানিম্বকাবোদেবীদ্বিহ্মিতমা
 বনবধুশিভপদেজবন বোদাখ্যৈপৰজাপতেদ্বিহ্মিতমাযজ্ঞোহানিকীটলানিম্বকাবোদেবীদ্বিহ্মিতমা

মিতমিবাচ্যাদিতিস্বনদ্বপা৫৩॥ ॥প্রমা॥ কৃষ্ণাশ্রয়কাদিত্যবাজহাবিশেষায় শ্রুতমর্দ্যত্ব
তানচূড়ানিনেত্রাদ্বিত্ত্বপ্রবীজনতাহিকথংভূমি স্থিরমিচ্ছাচ্ছদ্বামপবনকটাক্ষাভিপ্রভা
সত্তবিনাশাশ্রুতমিবাচ্যতমুহামাসত্বপতিমথনোহ্যনামদিষ্টবত্ত্বমজনীকবিশ্ববৃদ্ধিকিলা
তথোহুততত্বকৃত্যনৈতথ্যাপ্তকষমনৌষধংপ্রবিদ্যমানবংশমস্বাপায়া। সোবজ্ববোবো।
ভিত্ত্যোবদসম্বন্ধীচা। ॥প্রমা॥ কৃষ্ণাশ্রয়কাদিত্যবাজহাবিশেষায় শ্রুতমর্দ্যত্ব

। निवा॥ श्राद्धका।

३।१४२

[illegible]

মধ্যগণ্যলো নিষ্ঠুর্যবর্জিতো যত্নজসিদ্ধিদাদিতি যথা তৎপ্রকৃত্যে পঞ্চমুদা তৎপ্রথমমেবমস্মান উপবেশু মিনিষ্ঠমিহুস্তো সন্তাবিক্যাবি সপক্ষো জমাতো বাজাবাখ্য। কানীনীকৃত্য ॥ তদেবমস্মানমাছা-
 ॥ ॥ পাক্ষিণ্য। বাহিনী বিপক্ষস্য বসাদিত্যমস্মানীভেজে সন্তাবনা বযবেন সন্তাবীক।
 স্বাবাহ কবীদিগ্নির্নিত্যবহী বাহনমেবতিথি স্মার্ত্তি। কস্ম্যবভেজে যথা প্রকৃষ্য ক্যপ্তা
 নিবিতনি স্মার্ত্তি ন চ্ছাত নিষ্ঠুর্য যত্নজস্মান ন চ্ছাত্তমী একবেণ গজাদীন গিজিত্তন তথা স্বী
 হোমহ্যাদী বাদ্যস্মাকাবান যত্ন ॥ যত্নজপবমামেকপহী ॥ একত্ব ॥ ১০ ১১ ১২ ১৩ ১৪ ১৫ ১৬ ১৭ ১৮ ১৯ ২০ ২১ ২২ ২৩ ২৪ ২৫ ২৬ ২৭ ২৮ ২৯ ৩০ ৩১ ৩২ ৩৩ ৩৪ ৩৫ ৩৬ ৩৭ ৩৮ ৩৯ ৪০ ৪১ ৪২ ৪৩ ৪৪ ৪৫ ৪৬ ৪৭ ৪৮ ৪৯ ৫০ ৫১ ৫২ ৫৩ ৫৪ ৫৫ ৫৬ ৫৭ ৫৮ ৫৯ ৬০ ৬১ ৬২ ৬৩ ৬৪ ৬৫ ৬৬ ৬৭ ৬৮ ৬৯ ৭০ ৭১ ৭২ ৭৩ ৭৪ ৭৫ ৭৬ ৭৭ ৭৮ ৭৯ ৮০ ৮১ ৮২ ৮৩ ৮৪ ৮৫ ৮৬ ৮৭ ৮৮ ৮৯ ৯০ ৯১ ৯২ ৯৩ ৯৪ ৯৫ ৯৬ ৯৭ ৯৮ ৯৯ ১০০
 ব্রোজবেবেজ ১ কীটপশু ২ গো ৩ ঋক ৪ যজু ৫ সাম ৬ ঋক ৭ যজু ৮ সাম ৯ ঋক ১০ যজু ১১ সাম ১২ ঋক ১৩ যজু ১৪ সাম ১৫ ঋক ১৬ যজু ১৭ সাম ১৮ ঋক ১৯ যজু ২০ সাম ২১ ঋক ২২ যজু ২৩ সাম ২৪ ঋক ২৫ যজু ২৬ সাম ২৭ ঋক ২৮ যজু ২৯ সাম ৩০ ঋক ৩১ যজু ৩২ সাম ৩৩ ঋক ৩৪ যজু ৩৫ সাম ৩৬ ঋক ৩৭ যজু ৩৮ সাম ৩৯ ঋক ৪০ যজু ৪১ সাম ৪২ ঋক ৪৩ যজু ৪৪ সাম ৪৫ ঋক ৪৬ যজু ৪৭ সাম ৪৮ ঋক ৪৯ যজু ৫০ সাম ৫১ ঋক ৫২ যজু ৫৩ সাম ৫৪ ঋক ৫৫ যজু ৫৬ সাম ৫৭ ঋক ৫৮ যজু ৫৯ সাম ৬০ ঋক ৬১ যজু ৬২ সাম ৬৩ ঋক ৬৪ যজু ৬৫ সাম ৬৬ ঋক ৬৭ যজু ৬৮ সাম ৬৯ ঋক ৭০ যজু ৭১ সাম ৭২ ঋক ৭৩ যজু ৭৪ সাম ৭৫ ঋক ৭৬ যজু ৭৭ সাম ৭৮ ঋক ৭৯ যজু ৮০ সাম ৮১ ঋক ৮২ যজু ৮৩ সাম ৮৪ ঋক ৮৫ যজু ৮৬ সাম ৮৭ ঋক ৮৮ যজু ৮৯ সাম ৯০ ঋক ৯১ যজু ৯২ সাম ৯৩ ঋক ৯৪ যজু ৯৫ সাম ৯৬ ঋক ৯৭ যজু ৯৮ সাম ৯৯ ঋক ১০০ যজু ১০১ সাম ১০২ ঋক ১০৩ যজু ১০৪ সাম ১০৫ ঋক ১০৬ যজু ১০৭ সাম ১০৮ ঋক ১০৯ যজু ১১০ সাম ১১১ ঋক ১১২ যজু ১১৩ সাম ১১৪ ঋক ১১৫ যজু ১১৬ সাম ১১৭ ঋক ১১৮ যজু ১১৯ সাম ১২০ ঋক ১২১ যজু ১২২ সাম ১২৩ ঋক ১২৪ যজু ১২৫ সাম ১২৬ ঋক ১২৭ যজু ১২৮ সাম ১২৯ ঋক ১৩০ যজু ১৩১ সাম ১৩২ ঋক ১৩৩ যজু ১৩৪ সাম ১৩৫ ঋক ১৩৬ যজু ১৩৭ সাম ১৩৮ ঋক ১৩৯ যজু ১৪০ সাম ১৪১ ঋক ১৪২ যজু ১৪৩ সাম ১৪৪ ঋক ১৪৫ যজু ১৪৬ সাম ১৪৭ ঋক ১৪৮ যজু ১৪৯ সাম ১৫০ ঋক ১৫১ যজু ১৫২ সাম ১৫৩ ঋক ১৫৪ যজু ১৫৫ সাম ১৫৬ ঋক ১৫৭ যজু ১৫৮ সাম ১৫৯ ঋক ১৬০ যজু ১৬১ সাম ১৬২ ঋক ১৬৩ যজু ১৬৪ সাম ১৬৫ ঋক ১৬৬ যজু ১৬৭ সাম ১৬৮ ঋক ১৬৯ যজু ১৭০ সাম ১৭১ ঋক ১৭২ যজু ১৭৩ সাম ১৭৪ ঋক ১৭৫ যজু ১৭৬ সাম ১৭৭ ঋক ১৭৮ যজু ১৭৯ সাম ১৮০ ঋক ১৮১ যজু ১৮২ সাম ১৮৩ ঋক ১৮৪ যজু ১৮৫ সাম ১৮৬ ঋক ১৮৭ যজু ১৮৮ সাম ১৮৯ ঋক ১৯০ যজু ১৯১ সাম ১৯২ ঋক ১৯৩ যজু ১৯৪ সাম ১৯৫ ঋক ১৯৬ যজু ১৯৭ সাম ১৯৮ ঋক ১৯৯ যজু ২০০ সাম ২০১ ঋক ২০২ যজু ২০৩ সাম ২০৪ ঋক ২০৫ যজু ২০৬ সাম ২০৭ ঋক ২০৮ যজু ২০৯ সাম ২১০ ঋক ২১১ যজু ২১২ সাম ২১৩ ঋক ২১৪ যজু ২১৫ সাম ২১৬ ঋক ২১৭ যজু ২১৮ সাম ২১৯ ঋক ২২০ যজু ২২১ সাম ২২২ ঋক ২২৩ যজু ২২৪ সাম ২২৫ ঋক ২২৬ যজু ২২৭ সাম ২২৮ ঋক ২২৯ যজু ২৩০ সাম ২৩১ ঋক ২৩২ যজু ২৩৩ সাম ২৩৪ ঋক ২৩৫ যজু ২৩৬ সাম ২৩৭ ঋক ২৩৮ যজু ২৩৯ সাম ২৪০ ঋক ২৪১ যজু ২৪২ সাম ২৪৩ ঋক ২৪৪ যজু ২৪৫ সাম ২৪৬ ঋক ২৪৭ যজু ২৪৮ সাম ২৪৯ ঋক ২৫০ যজু ২৫১ সাম ২৫২ ঋক ২৫৩ যজু ২৫৪ সাম ২৫৫ ঋক ২৫৬ যজু ২৫৭ সাম ২৫৮ ঋক ২৫৯ যজু ২৬০ সাম ২৬১ ঋক ২৬২ যজু ২৬৩ সাম ২৬৪ ঋক ২৬৫ যজু ২৬৬ সাম ২৬৭ ঋক ২৬৮ যজু ২৬৯ সাম ২৭০ ঋক ২৭১ যজু ২৭২ সাম ২৭৩ ঋক ২৭৪ যজু ২৭৫ সাম ২৭৬ ঋক ২৭৭ যজু ২৭৮ সাম ২৭৯ ঋক ২৮০ যজু ২৮১ সাম ২৮২ ঋক ২৮৩ যজু ২৮৪ সাম ২৮৫ ঋক ২৮৬ যজু ২৮৭ সাম ২৮৮ ঋক ২৮৯ যজু ২৯০ সাম ২৯১ ঋক ২৯২ যজু ২৯৩ সাম ২৯৪ ঋক ২৯৫ যজু ২৯৬ সাম ২৯৭ ঋক ২৯৮ যজু ২৯৯ সাম ৩০০ ঋক ৩০১ যজু ৩০২ সাম ৩০৩ ঋক ৩০৪ যজু ৩০৫ সাম ৩০৬ ঋক ৩০৭ যজু ৩০৮ সাম ৩০৯ ঋক ৩১০ যজু ৩১১ সাম ৩১২ ঋক ৩১৩ যজু ৩১৪ সাম ৩১৫ ঋক ৩১৬ যজু ৩১৭ সাম ৩১৮ ঋক ৩১৯ যজু ৩২০ সাম ৩২১ ঋক ৩২২ যজু ৩২৩ সাম ৩২৪ ঋক ৩২৫ যজু ৩২৬ সাম ৩২৭ ঋক ৩২৮ যজু ৩২৯ সাম ৩৩০ ঋক ৩৩১ যজু ৩৩২ সাম ৩৩৩ ঋক ৩৩৪ যজু ৩৩৫ সাম ৩৩৬ ঋক ৩৩৭ যজু ৩৩৮ সাম ৩৩৯ ঋক ৩৪০ যজু ৩৪১ সাম ৩৪২ ঋক ৩৪৩ যজু ৩৪৪ সাম ৩৪৫ ঋক ৩৪৬ যজু ৩৪৭ সাম ৩৪৮ ঋক ৩৪৯ যজু ৩৫০ সাম ৩৫১ ঋক ৩৫২ যজু ৩৫৩ সাম ৩৫৪ ঋক ৩৫৫ যজু ৩৫৬ সাম ৩৫৭ ঋক ৩৫৮ যজু ৩৫৯ সাম ৩৬০ ঋক ৩৬১ যজু ৩৬২ সাম ৩৬৩ ঋক ৩৬৪ যজু ৩৬৫ সাম ৩৬৬ ঋক ৩৬৭ যজু ৩৬৮ সাম ৩৬৯ ঋক ৩৭০ যজু ৩৭১ সাম ৩৭২ ঋক ৩৭৩ যজু ৩৭৪ সাম ৩৭৫ ঋক ৩৭৬ যজু ৩৭৭ সাম ৩

श १४७

[illegible][illegible]

३५४७

যদ্যবমবজ্ঞায়ে প্রত্যবকীর্তনমশুকম কীর্তন বিষ্ণু জীষ্মোণ গজিতেন স্বখ দিত্ব ব্রহ্মোমা দিগোযেন অগ্নিনা। অত্র তিত্তাতিবচ নাগ্নে স্বনাম মজ্জা যাবতাবণ। প্রজ্ঞো বজ্জাতি যিত্ত। ॥ অম্বাদশবর্ষ
 দেবী যত কবী বিষ্ণু ॥ **খণ্ড** ॥ কালু কবী দেব কীর্তন দদা প্রীতি কদাচিন্ম খণ্ডাভাদিত্ত
 তাদ কোপ নিভি বর্ষা তত্তনয় নোল প্রবচ প্রতিপজ্ঞানোকন মেব কারণ কীর্তিত্তি
 ব্রহ্ম ॥ যত্রাং একমম্বাহ দ্বিভোব কীয়াবন নিবাস জব দেবাগ্না মা। স্ববোহু প্রতিমা দী মুদ্রী
 ভি বিতথ্য ॥ **আম্ব** ॥ প্রতিপক্ষ সম্বর্ষ মদুত কবে গোবহিত্তা যাবম্বাহু প্রবাহুদম্ব
 প্রবাহিয়াগী বাহিত্ত চলাদ্যে সম্বহু ব্রহ্ম বারো এক কান মাহুতী। লক্ষ্মী বাম্ব বিলাষ ॥
 দবা সম্যম্ব যথো শম্বপ কৰণ যদা হু তে জীত লক্ষ্য বন্তি তদাত্ম্যাবমবজ্ঞতঃ। অনাশম স্বয়ং কতঃ স্বস্মিত্ত্বাৎ। অত্র বাসো নিবন্তো নিব্রু যত্থা ভাবিতেন ততসা যনো দেবীতি

[illegible]

যথা কান্ত্রা বিতেন চৈব যান্না দক্ষু ন পঞ্চ কালে বর্নধার যতিন যথ যিক্রতে যজ্ঞ
বতি যুত এবাঙ্গো নিম্বুত পযো গোপ যোগ মিতিক মীবা বযগত পযো গম্ব পকাবা
ও কটোদনু বৈ নিয যত ও কী দুখা স্তে কবা যৈ মীদ প্রতিমা কান ম্ভু বনু গত চাত কাহুত
॥ ॥ দ্বাধী ॥ সাম জানা মিতিক বিণা বিচা যণ নি বোভা লুহা দনি নি দিতা স্তানি
জাবা দত্তা স্তাব দ্বাধী যামি গম্ব দী দ্বা গম্ব হতা গম্ব নাগ স্তে মস্তা জো বন বনু গম্ব
দ্বি বহু যি ছানি জো বসে নি কে বন দ্বি বহু যতো মা কুস্ত্রা বজেন বদন মী পে মম যথ গ

১৫৭৩

[illegible]

১ম স্তম্ভে দানোক্তি তদাকিমিলমুদ্বলান লজ্জা ৩০ মাকঠলোকান্বত্বিষ্ণু ধর্মমারে
 দেহাঃ ১৩ পরো ১৩ বর্ষাবশে যম্মান্যজ্ঞানোতম্মান্নিহনে বনোকাবৃত্তিবিবল্যষ্ট এককার
 নিবৃত্তিবেবাপতিতাবেবাহুতঃ শ্রীনিবিরমাপ্তম একেশ্বরা নদীয়দ্বাদ্বিহুবক্সা ৥ ৥
 হন কীদৃশান শ্রাদ্ধযেহিহান্নিহিতান দ্বিহমিনস্ববস্থান নিজাশ্রবয়ন্তম এনিমাত্মপুত্র
 ৩-ততঃ যাগায়াভিজাত বাতঃ ১ জীবনচলিতা জীবিতাঃ সমেনাপ্ততদীষ্ম লনজ্ঞানমহান

[illegible][illegible]

২৫২

দ্বাত্তত বিদ্বদ্ভ্যন্তর্যস্ত কীদৃশানমুদ্রদণ্ড পদব্যাধিভাষ্যে কচবিলাসানুদ্রাবয়তি কপয়তি অমুদ্রদ্বন্দ্বদ্বী তেন কনকবোতম্ অদিকত যথাপাদপংহিমা দটচা বেষদাবলোবদিকতি
 ষ্টিতথ্য। সল্যঠাব্যবস্থাপনপয়াযেপেকাজিন লোকেয়মকা দিনা মেবচ বদ
 অক্ষীপ্তলোকমোহনববে প্রবাদদকী দ্বীপ্তমুদ্রায়াড়ী জয়া দল্যথ্য। মাতঙ্গীমিব
 জজো। অন্তর্যবীপদাবিধিবিধিবতদ্রুদ্রাব অতিমুদ্রাজে কীদৃশত জজো জোজো
 তেতপমুতে যাপ্রাজিষ্ট সন্নিও তজিমলভিতবীতি জজো জোজো জিজিও আকুবল
 ততান বিত্তান বিষ্টিজিন মানমুজান অতমুদ্রাবিধি তেতি জজাজিনত তানাজসদতিপীডয়তি মোতিতততিত মহাবনজো জোজো। তথাভাত্ত নকবকাভিষ্ট মিত্রাত অতীজাভিষ্টতমিষ্ট

নকীদ্রষ্টা অমুদ্রমুদ্রাদিনা মোকোথানি কী বিষ্টা ॥ অথ ॥ অমুদ্রদাবিলা মাদিষ্ট
 কেমবী দ্বিমমাপতনু লোকমুদ্রায্যস্ত মিহো দ্ববাদবনোকযতি উপমানদ্বী বিষ্টা ॥
 জিজিও জজজজিষ্ট জজগীজিজজোয়াধা মুদ্রামোজ জোজাবন জজোজপ ততোজো
 যথাসমবতেজা তথাযদু জজতি যদুতচ/তিজাজী দ্বতচ/তথা ইতি ততাতিতত অতিমিবন

অতিযোনিষ্টুযাযেজতামুমা মতিব্রভিতাবিনীয়া তকান্তিস্তম্যলম্ভ্যান মতদ্বিপন বিতাবিদী শুবানমুদ্রা তথ্যতথা বিবীবিত্ত অমুদ্রায়াড়ী ততানাদবীবিত্ত তেনাবিলা বীলাতি।
 যুক্তি অবিবীচ বথ্যামী। অথবা অবিবীচ বীলাতি দ্বিনমূল বিবীচ অমুদ্রায়াড়ী
 নানতোমাযতবন তানিতমালীপুষ্ট তথাঠীতকার তয়ানকত অমুদ্রাবনিঘাতজা
 নকীবষ্টা ॥ অথ ॥ নবি প্রদ্বৈশদাবী দ্বববেলবানাম মায়কালিষ্টেদ কী
 যত অন্তর্যবনীবিষ্ট বেষদাবিলা কোপাচ লিষ্টযাতি ক্রিয়ামদেহো মদাপুসবেনা
 ১। তবেষদাবিলা বিলাহায্য জাবলাকালাদাশু অণীহবত আচকম যতোমোহাশুত অমুদ্রমন্দপতাপ অমুদ্রজম কামিবকত শতোপা হবাদিলাহ যথাঃ পীঠী দিবাদিকি

প্রতিপদমবথ্য মোনকী বিষ্টা ॥ অথ ॥ তমাবনম্যমুদ্রনায্যো কীদৃকজ
 বতচ/ততন্যত মোনজনতয কীদৃক কীদ্রমলীতজানি দ্বোয়তীমক উপমা
 চুলা আজিমলেমমমবো মেবেষ বিটকলে পণ্ডিতে সমবতাপা বাভিষ্টজা
 বিটকলে জমানচায্যদ্বষ্ট মীদ্বমিযোত। মদমুদ্রমকোয়মনকী বিষ্টা ॥ ১।
 কামিবকত শতোপা হবাদিলাহ যথাঃ পীঠী দিবাদিকি

শ্রী ৫৬

অকৃত্যেণ প্রভুস্মৈনহম্ভ্যালিঙ্গোমস্তুকস্মিহিঃ লিঙ্গাবলিঙ্গ কীচলাম্যকেনাঃ কচাববপদ্বাঃ পত্রগজোকা যোধ্যম্য-যাদিবা কস্মজবম্যনাঃ গতিঃ কেলোঃ হিঃ তদ্বৎপ্রবলোকস্ম কীচ
 লেন তেনবিবিধষ্টকমতিগতুতি বহ্মাদ্বীতিবিকাসী তেনবিকাসিনামহঃ শ্রবকমাস্ত
 নাকস্ম্যযথাঃ প্রাপীডেন লিঙ্গপরিষ্কৃত্য কীচলেনবিকাসিনা শুক্লেনতথাঃ কস্মমানি
 প্রদ্বীম্যমানানি তেনপ্রভুস্মৈনবিশীর্ষদেবতানি শ্রুতববসাদীবাঃ প্রীযমানাঃ প
 তনববসাদেব পনায়মানোহিবীবাণামবচোলাভবতি লীযমানকিয়াবিশেষণমেত
 প্রাপ্ততাপেষ্কাত কুদ্বয়ব কিপ্রযেতি কাধনিমিত্তমাহ গাতিঃ প্রোক্তেনপ্রকাষেণ সমধর্জপ্রভুম্ভজ্যপ্রিয়ানির্দীতঃ প্রদ্বী যদিকনকাথ্যদম্যনায়কিনায়েক্যানির্দীতঃ পশ্যতি তদান্যাবীততস্ম

[illegible]

বনান্তঃ কনকমমানাঃ নীতামুৰুদ্বীপকতয়া চক্ৰহৃত কবিশোভিতকদম্বা শ্রুত্যা যম্মাভ্যন্তর্যঃ ॥
 বহুয়াঃ নবতাঃ নিষ্ঠুতাশ্রমীত বোধনৈর্ভীমাসীদিত্ত্বশ্রম কথং মতাঃ শুভিন্দ্ৰাধীবা নিষ্ঠুয়া
 নাতোষা যম্মাঃ সাতাবনা দ্ভুনা যন্তানাঃ ময়াঃ চমনা যতোয়াঃ ক্রমে কল্লাভে ক্রতঃ কপি
 দিত্তে মুতাশ্রমদ্বা যাদ্বত্মোচ্চিষ্ঠা বিজ্ঞানাসীদ্যাবিক্কাবট চক্ৰি বিস্ত্রন স্কাব নিষ্ঠুপত
 বা নি সাক্ষিয়ান ননা বিধো নি বিবৃহদানি তেষা যিষ্টকামে লমণ কথং কায়া দেহে চ তেষা মবা
 ১০

३५७८

তদ্ব্যবস্থা বিধি মন্ত্রি পদে বসন্ত যুগে সঙ্গিত্য তদ্ব্যবস্থা মুখিকা জ্যোতিষাদিত্তিষ্ঠা
 বজ্রি যবমন্ত্রি সমান নদী বাহু সঙ্গিত্য চক্ৰা নানি চক্ৰ সঙ্গিত্য চক্ৰ সঙ্গিত্য চক্ৰ
 নীতি বিবরণে বসন্ত যুগে সঙ্গিত্য চক্ৰ সঙ্গিত্য চক্ৰ সঙ্গিত্য চক্ৰ
 বিত্তিষ্ঠা চক্ৰ ॥ ১১ ৥ ১২ ৥ ১৩ ৥ ১৪ ৥ ১৫ ৥ ১৬ ৥ ১৭ ৥ ১৮ ৥ ১৯ ৥ ২০ ৥
 নাব্যথা বা ন্যায়মবস্থা বা ন্যায়মবস্থা বা ন্যায়মবস্থা বা ন্যায়মবস্থা বা ন্যায়মবস্থা
 বা ন্যায়মবস্থা বা ন্যায়মবস্থা বা ন্যায়মবস্থা বা ন্যায়মবস্থা বা ন্যায়মবস্থা

नई तालदगा मुनिका शुभ जय ज्ञाना बहना दलि द्वि ब्रह्मा के यथा मला का ही विमि द्वि ज्ञा खंड
का ही विमि शुभान वया दिका ॥ मिला अथ मा प्रगति दुन मिहला हृन्दन तेष्टि पति न मुन
ब्रह्मा न यो द्वि हत पन्न पति ता जा तदा का नत प्रप्रेष नया मन्त्रा मिति न पा ०४ सावत
वक्रा जमा द्वि यथा वया विमि पति की द्वि न बाज मा री वा विमि द्वि मस किट की द्वि नो
मगती वा कवि न ग द्वि नाल सावा ०३ द्वि न ववती अती गाना मथा प्रुत याना नाना द्वि न

০
 কচিৎস্মার্যৈশ্বর্যমাহুঃ বাবণাগণীবহতি শ্রীনাগমনাশ্রয়ঃ শ্রবণজালয
 নামান্নোমাহুঃ ॥ ১ ॥ লক্ষ্যবদ্যম্ বিদ্যাশ্রয়ঃ শ্রবণজালয
 চববোমাহুঃ শ্রবণবাহিনীদেবীয়াঃ মধুবকল্যঃ বাহিনীঃ কলমদনাঃ
 ৩ ॥ বিদ্যানভিভূতিভিঃ শ্রবণমাহুঃ দানবীভূতঃ মদোদ্যুতঃ কীটভূতঃ
 বিদ্যানভিভূতঃ শ্রবণমাহুঃ দানবীভূতঃ মদোদ্যুতঃ কীটভূতঃ
 ৪ ॥ শ্রবণমাহুঃ দানবীভূতঃ মদোদ্যুতঃ কীটভূতঃ
 ৫ ॥ শ্রবণমাহুঃ দানবীভূতঃ মদোদ্যুতঃ কীটভূতঃ

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

॥ १ ॥ दिदोषवदिते बिलयथा श्रानापे विमर्शः यथा नापेष्ट श्रवावापुतिष्ठ नाश्वमेयकोत्तत तेषां प्रवृत्तः प्रवृत्तेः श्रवाणां माहृत्यानश्नुयतिष्ठ निन्दामेव विदुः ॥
 केनाश्रयाः सततं श्रामिना निन्दितानां पदे समिधुनान् यान् श्रवताहुः
 ॥ २ ॥ ॥ निन्दः ॥ केन चिद्विषयः श्रवीन्विनाश्रि
 विद्यासिमांश्च कल्पितं सपनेन न क्रीदितं यत् किञ्चिदपि यजामासः तस्मिन् निष्ठ
 श्रुत्या ॥ श्रुतं विनाश्रिना श्रुतं विनाश्रिना श्रुतं श्रुतं विनाश्रिना श्रुतं श्रुतं विनाश्रिना श्रुतं
 यामन्त्रमतिविश्रिता श्रुतिमाया श्रुतिविश्रिता यथा तन्मतिमाया इहैव जन्मार्थं ज्ञेयं ॥

॥ ३ ॥ ॥ निन्दः ॥ केन चिद्विषयः श्रवीन्विनाश्रि
 विद्यासिमांश्च कल्पितं सपनेन न क्रीदितं यत् किञ्चिदपि यजामासः तस्मिन् निष्ठ
 श्रुत्या ॥ श्रुतं विनाश्रिना श्रुतं विनाश्रिना श्रुतं श्रुतं विनाश्रिना श्रुतं श्रुतं विनाश्रिना श्रुतं

॥ महा ॥ कान्तदुःखं कान्तदुःखं कान्तदुःखं कान्तदुःखं कान्तदुःखं कान्तदुःखं कान्तदुःखं

॥ ४ ॥ ॥ निन्दः ॥ केन चिद्विषयः श्रवीन्विनाश्रि
 विद्यासिमांश्च कल्पितं सपनेन न क्रीदितं यत् किञ्चिदपि यजामासः तस्मिन् निष्ठ
 श्रुत्या ॥ श्रुतं विनाश्रिना श्रुतं विनाश्रिना श्रुतं श्रुतं विनाश्रिना श्रुतं श्रुतं विनाश्रिना श्रुतं

॥ ५ ॥ ॥ निन्दः ॥ केन चिद्विषयः श्रवीन्विनाश्रि
 विद्यासिमांश्च कल्पितं सपनेन न क्रीदितं यत् किञ्चिदपि यजामासः तस्मिन् निष्ठ
 श्रुत्या ॥ श्रुतं विनाश्रिना श्रुतं विनाश्रिना श्रुतं श्रुतं विनाश्रिना श्रुतं श्रुतं विनाश्रिना श्रुतं

[illegible]

॥ १ ॥ **अहो** वेष्टया विस्मृतिं तथानुक्रमशः शरीरं च जीवन्मानसं च तत्त्वतो । अथ च मत्तं कर्तव्यं कुरु कुरु विनिर्मुक्तं वा श्रुतिं बुद्धिं च शरीरं यो कतिपयं नृपस्य । अहो वेष्टया विस्मृतिं तथानुक्रमशः शरीरं च जीवन्मानसं च तत्त्वतो । अथ च मत्तं कर्तव्यं कुरु कुरु विनिर्मुक्तं वा श्रुतिं बुद्धिं च शरीरं यो कतिपयं नृपस्य ॥

শা ১৬৬

মহিমাযুগ্মবানীতি কপাশিবা দিষ্টা ॥ অথ ॥ মতে চ্যুত অর্থ পবান পবাজিগে চ্যুতেন কথ্য প্রতিযোগিতা উচ্যমান কীচলোমো স্বর্গগত বৎসাপ্রপ্ত তথা মানবান মগ স্বর্গ কীচলান পবান যিথ
 তাপ কীচলমুদমানবাপ্র প্রকৃষ্য যিমান অতিমানিভুয়ান ॥ অথ ॥ অথানিভুপবপ্ত
 কীচলান বৎসামণ্ডে কোমুভমাত্তা যথা কন্যা দুর্ভিত মীতিনে অধীতে চিবাধে স্বপ্তিকায়মা
 চাপবিস্তিভুতমবিদ্বতকজনদত্তে লেখ্যতথানীনেনশ্যামনেনানানাদামুনা বনি
 ননিবীনা নননানি ৷ কেচিৎ শ্রুতিচমাননালিখননি নতিপ্রবীকিমিত্তাঙ্গমননা
 মুমুনিভেন মহানিনামু বস্মিতা জলতথ নানিনা নানকেন মাধবশ্যবা পবপ্রমা পু মিত্তীতিবালী তথা বিজয়শিয়া জয়নক্যা কতকৈ বপা দ্বী দ্বী কিত্তে চ্যুতেন যতমুৎকা কিত্ত সমাগমসুত মকামামাতি

মানপবমত্থকমোতগাবা সুদেবত পবে দ্বিপকৈবচ্যুত কীচলপ বৎসাদেদেনভামমানি
 তেনে জুতমুৎকাত্তা জন্ম প্রথেনভিনাতনিচম্যকন তাচলান তনিহতা দ্বেনে বননমানবানব
 ননিবীনা পদেবিনীনা চ্যুত উকনাশুদনা উকাসিনো নিলাসমবায়ম্যতেন আনানননি
 না মীমতিবীনা নানলেন দী উনেভা কিত্তনানমল্লী নীনা বিনাজানা আনানেন বক
 না মীমতিবীনা নানলেন দী উনেভা কিত্তনানমল্লী নীনা বিনাজানা আনানেন বক

নামো তেচীহিমালক্য ভাবতীজিচ্যুত উল্লেখ্যতে ৷ অথ ৷ অতিনব য়েব থাকিবনবোচ সমাগমোতমুকামাকান্ত কতকৈ বীকিত ভাবতমুনজীবিদ্বস্মিনিহিতা ৷ অথ ৷ কীচলোমো
 বান কিত্তবীতিবিত্তাবী বিত্তমগ্ধচাপী বিত্তবৎস্বর্গ কিত্তিত্তম্যম্যো কিত্তবী
 বয়ত্তথা প্রোতীতি বিত্তাবী বিনামকতেন বাক্তিগতীতি বিত্ত উল্লেখ্যতাবী
 হানি অতিপানযতীতি ভাবাবপ্ত জগতপানকত ভাবতোতবম্য মল্লদেবম্য ভা
 তিত্তমুদ্বত যোগমুদ্বতপাযম দেলোগোবদী বিনামো কৃত্তাচ্যো দ্বীহিত্তমা
 মোখপ্ত মপবকত্প্রমোনিভিত্ত সমাধিবিভি দ্বীমিত্তাদিত্তবচ্য ৷ কীচলোমো তমোতগবতপাবমবমানিধাপ্কা য়েব ততমাহু যিয়া অতিবিত্ত নিমিত্তবিত্তমদেহে বিদিত্তবেদহাত ৷ পথ

জাশবপ্ত গাততপ্ত দম্বিতমপতপ্ত যদ্বা ভাতপ্ত কানমানকুণ নিতপ্ত যল্লা বিভাদীল্লুভা
 জী নিত্ৰিত্ত স্বর্গমীমিত্তজাবা মতিভবতি কপযতীতি ভবতিভাবী মোকদপ্ত ভাবানপদা
 বনশপ্তেকা য়েব অতিপ্ত ভবজিগী প্রতিবিত্তিত্ত নিমিত্ত ইদ্বা যতানিষ্ঠ য়েব যোনি
 তেনে মবলমপ্ত দ্বী প্রলজিগী যয়া যত্ম অতিবিত্তিত্তা যোনিপবপ্তমদ্বোততপ্ত প্রবমপ্ত
 মোখপ্ত মপবকত্প্রমোনিভিত্ত সমাধিবিভি দ্বীমিত্তাদিত্তবচ্য ৷ কীচলোমো তমোতগবতপাবমবমানিধাপ্কা য়েব ততমাহু যিয়া অতিবিত্ত নিমিত্তবিত্তমদেহে বিদিত্তবেদহাত ৷ পথ

क्र २५८

[illegible]

১১৭২

॥ १ ॥
 ॥ २ ॥
 ॥ ३ ॥
 ॥ ४ ॥
 ॥ ५ ॥
 ॥ ६ ॥
 ॥ ७ ॥
 ॥ ८ ॥
 ॥ ९ ॥
 ॥ १० ॥
 ॥ ११ ॥
 ॥ १२ ॥
 ॥ १३ ॥
 ॥ १४ ॥
 ॥ १५ ॥
 ॥ १६ ॥
 ॥ १७ ॥
 ॥ १८ ॥
 ॥ १९ ॥
 ॥ २० ॥
 ॥ २१ ॥
 ॥ २२ ॥
 ॥ २३ ॥
 ॥ २४ ॥
 ॥ २५ ॥
 ॥ २६ ॥
 ॥ २७ ॥
 ॥ २८ ॥
 ॥ २९ ॥
 ॥ ३० ॥
 ॥ ३१ ॥
 ॥ ३२ ॥
 ॥ ३३ ॥
 ॥ ३४ ॥
 ॥ ३५ ॥
 ॥ ३६ ॥
 ॥ ३७ ॥
 ॥ ३८ ॥
 ॥ ३९ ॥
 ॥ ४० ॥
 ॥ ४१ ॥
 ॥ ४२ ॥
 ॥ ४३ ॥
 ॥ ४४ ॥
 ॥ ४५ ॥
 ॥ ४६ ॥
 ॥ ४७ ॥
 ॥ ४८ ॥
 ॥ ४९ ॥
 ॥ ५० ॥
 ॥ ५१ ॥
 ॥ ५२ ॥
 ॥ ५३ ॥
 ॥ ५४ ॥
 ॥ ५५ ॥
 ॥ ५६ ॥
 ॥ ५७ ॥
 ॥ ५८ ॥
 ॥ ५९ ॥
 ॥ ६० ॥
 ॥ ६१ ॥
 ॥ ६२ ॥
 ॥ ६३ ॥
 ॥ ६४ ॥
 ॥ ६५ ॥
 ॥ ६६ ॥
 ॥ ६७ ॥
 ॥ ६८ ॥
 ॥ ६९ ॥
 ॥ ७० ॥
 ॥ ७१ ॥
 ॥ ७२ ॥
 ॥ ७३ ॥
 ॥ ७४ ॥
 ॥ ७५ ॥
 ॥ ७६ ॥
 ॥ ७७ ॥
 ॥ ७८ ॥
 ॥ ७९ ॥
 ॥ ८० ॥
 ॥ ८१ ॥
 ॥ ८२ ॥
 ॥ ८३ ॥
 ॥ ८४ ॥
 ॥ ८५ ॥
 ॥ ८६ ॥
 ॥ ८७ ॥
 ॥ ८८ ॥
 ॥ ८९ ॥
 ॥ ९० ॥
 ॥ ९१ ॥
 ॥ ९२ ॥
 ॥ ९३ ॥
 ॥ ९४ ॥
 ॥ ९५ ॥
 ॥ ९६ ॥
 ॥ ९७ ॥
 ॥ ९८ ॥
 ॥ ९९ ॥
 ॥ १०० ॥

[illegible][illegible]

স্র ১৭৬

[illegible][illegible]

३२३

[illegible]

তদামো বসমান জীবন্ত কথালোভবতি স্বতঃস্ফূর্ত্য আভিভূতৈঃ বিনা যেন
 কীচলাপ্ত নিবৃত্তবর্ণামিনঃ পটুর্বিদবতঃ শুদ্ধি-কৃতোনিদ্বিসয়াঃ শবনগামিনাবা গৃহীতম-
 দয়ঃ বহুনিযান্তি তেচনববতঃ সাক্ষিনঃ পটবশ্যৈশ্চ জিগীষুকাঃ শুদ্ধি-কৃতঃ সিন্দূতঃ গ-
 জনৈনকহিতমূলকটিনঃ স্মৃগমতযানকা কাৰ্ব্বী আত্মনোকে যতোমাহিষবিষাগতুৰিত্থামণে
 ততি। স্বতঃস্ফূর্ত্যমুদ্বাক্ষণস্থানদেহাশ্চ যথাং বহুঃ স্মাভ্যন্তে কোষাভ্যন্তে লব্ধমাক্ত
 মানেঃ যন্তাবহিঃসিহাসিহাসিহাসবনকান্তি যতিতি মিত্তানিভিঃ বাদ্যক্যানিভিঃ

বঙ্গা মিলিষ্ট মেমোরি তনিত্ত্বন জাতকপংখ্যমাত্ত্ব স্বাধিকার মামম্মেষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি
 ৪ শব্দাষ্ট দিগ্বন্থ শোভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি
 তিব্ শব্দাষ্ট দিগ্বন্থ শোভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি
 দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি
 দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি
 দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি
 দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি দ্বন্দ্বাভিষ্টি

[illegible]

জাঃগঃ

[illegible]

७. येन मम नानापात्रं मम क्लोमि मम क्लोमि नृथ कवीनि नृत्तन भवति यम्यद्विनम्यात्तव पावोद्यम मम क्लोमताम्योत्तु अविनातकिप्रुवात पीडाकायेव ॥ प्रक ॥ अमवदुवात्तपातानिपारि
 गन. मरुतजवयतोतागतानुत्तुजमि येनतयेत्ततपरिस्त्रु इहयात्तुताडद्वानाश
 लुदुवयममवक्तालोवमेव ॥ ॥ गता ॥ विद्वोष्टेवात्तपीडनाकमिष्ट कीटकात्तुता
 अपवावाताव यथातेनकातलो ॥ योपिकत्तकटवाममममृवात्तापवावातिमममृवात्त
 अलवि-थमृजे यतोमाययात्तुनेजयमितुन कीटकात्तव विद्वोष्टेवात्तयकपातनोका
 मयत्तनवात्तनामायिकत्तु माययात्तुमृवात्तजिगीयति यत्तकत्तापायजमयेनिदाति तव आपनममृवात्तति आपयतीति आपनी ॥ अनि ॥ अथतावत्तजतमोक्तीदिदी नद्विद्विनावि-थ

২৭৭

তোনিদ্যুমাননয়নকমল কীচল্যমো স্বকফরপ উদকপুতমুকবকাহনমুপ্ত তথা খভাকবমথশন্যমীর্জ স্বনভিধেয়নামানবিদধত পটুতিনিমিত্তাতারত নহিতদামোভাসকবোতি
মহুহাশ্রয়লাবনীযস্মাতা ॥ গুণা ॥ গুণাবীরাশ্রয় মলিপাশ্র্যোপে নিষচ যত্র
তবিস্তো মজাশ্রবন স্বতশ্রযেছাযতাধবসিনিষতা স্রেষসিপ্রাননিষদনো
মণিকশ্যত যতো নিহাবনা হে যন্যথাশ্রম্য স্বতবাবমুচুনসাম্যশ্রিকবতপু
নোমিশ্রযবিক্রমললজিহ্বাতি ॥ উক্তি ॥ তবপেতাগবানবমপ্রকম্পা
তপলাহ জননিবাবিক্রমনিহোম কথিতচুছাণেবিলাহ জগদ্বিত্তিত্তামাবধানোযতোমো তস্মিনাকিনমুপ্ত জাতিচ্যত্রে স্বজানজতিউ তিপ স্বদাদিহা হুণোত্রক গুল ডবপপবত হনচাদি

দক্ষলিষ্টে স্বপ্তাস্তবাত নাসোদ্যেত যতোজাযতোপিতবেবচাপ বিধেয়নো
কাবাচতা ॥ ২৭৭ ॥ স্বপ্তাবিহু মুচনাকবায়াদাম্ব স্বচুহীতমপিচটবিস্ত
তপকিমিব মনমপ্তবাস্তমিব যথা স্বচুহীতমপিচটবিস্ত বিচাথমাদভাজি চিত্তাদনতিম
সেচাত্তবাতবপতপ কেবনমজাপত চুচাদাব নমুপ্তাপ কদাচিদত্তবমপ্তে বদাপ্যমোবা
স্বদাদিহা হুণোত্রক গুল ডবপপবত হনচাদি

নাতিনোপপ্ত বেকম্যবিসঙ্গনীযত সপবমুপ্তমান জাগবকজাতিপাচাত্তবী ॥ ২৭৭ ॥ স্বপ্তানন্তবতিম্যদেবম্যচুণো কোমুতমেবদঙ্গনিতায়া তত্তকোমুভাত পদুচুপ্তামতেজদ
তিমুত যথাববিত্তেছামি শ্রাদকমিত্ত ততোদঙ্গল্যেছচদুভতি এমিলেদেবচাকি
তত্তমজাপেমাননাশ্রয়তিথ্যাপা ॥ মদা ॥ সমলোবদুতযত কোমুতবানিকা
নিষপবাসিতনোতনান্যতবন কিমিবক বিকসজীলাহ উত্তমম্যপ্সাদোযথা মেব
কিবলৈব্রযতপসউচকুপে পসোবায়থবতুত যতপ্তজিহ্বাতিতোজোকপশিত্তিবেক
তিতাপকুপোদানডাতিবদী ॥ গত ॥ লোবিবনেব্রম্যোদেত মাউতপ্তন হুগনাবাতম্যোবোথব বাবোহিসাযামিলে হাতামনোপা জাপ্রিব যথা মেপচনাববণা বিয়াতোভাবোথব

২৭৭ ॥ স্বপ্তানন্তবতিম্যদেবম্যচুণো কোমুতমেবদঙ্গনিতায়া তত্তকোমুভাত পদুচুপ্তামতেজদ
নচেতদদুর্ভয শ্রাদজোদেবত কিনববিশালিনযনত গদ্বজ চন্দাদিলোচমুগিব
বাদিগুপ্তমবিমসার কিংকন ডম্মিম্নেচগুমেদ্যোত্রকবদবানিদিদত পদ্বিহিতা
কম্ববিকসতি চুচুচাচিভোত মেবকচুচিহ্মসবতিবিকসতি ॥ ২৭৭ ॥ ববেত
৩ স্বতবজীবনোকোচাপত কুচাদ্বজিতত তমজাতিতবানু হুচ্যোদমাসাচ চকুপ
স্বদাদিহা হুণোত্রক গুল ডবপপবত হনচাদি

क्र २४७

[illegible][illegible][illegible][illegible]

क्र १६२

নতঃ অসম্ভব বিধানামদীনাঙ্গাদি মনোভি নক্ক-কীটলোশুদনে পতবেষ্ট-ক্লেশৈকি
 পতিপাদনাথ-দ্বিগুণবননক্লান্তেতৎপানুবায়াজেদ্বিগীহানতবতীতিনিষ্ঠযজাঙ্গিগাণনা
 কুবঙ্গ-মিবকালভাত-নাগকটাপ্রমদমশুম্মাপ্র-পৃথায়িতজিহ্মুযোবপ্তবাহিক্রয়োদ্বিগী-
 ল্পাঃ ১৩র্থঃ দ্বিগুণলোবমাপুনঃসাগীতততকিবলেবিবামেদক্লান্ত-তর্পনকিবলেযথাসিক্র-
 মেদক্লান্তা ॥ দণ্ডপা ॥ ক্ষুদ্রবদীলমুদ্রকান্তিসুবিভাগ্যকাললোমণীনকিচমুদ্রা-
 ন্দবাগ্যপ্ৰ-তম্যপবিবর্তনায়মুদ্রকৃতিতোমোনাগেদ্রাবাস্যকিস্তুম্যযতলিওধীতবি

[illegible][illegible][illegible]

॥ महाश्वराक्षिपशक्तिप्रदत्ता कीदृशप्रतीतिजननववेणोद्व
 ळवेतपथात वेतनताव सोपुद्गतादुल्लेखप्रियप्रद दीर्घाक्षि

১২৮০

কৃতদ্বাং খ্যেব প্রজ্ঞানবিচিহ্নত্বেনি অজ্ঞানতঃ স্বপ্নাদিহাদঃ উদনীমিষ্যবিত্তি নমঃদ্বৈতবোধে উত্থম্মানুর্ভ কেষমিঠ যমবমনমাতা স্নেহেগীভাগমঃ স্কু মোহম্বাষঃ সিজগুবিদগুণেতি
স্বপ্নম্মা ॥ ৩৮ ॥ খমেববিষতদাহিত কীটল্য স্ববলস্যাবিকল্পঃ সন্মুক্তম্মাত-
সাম্যম্মাতঃ সন্মুক্তম্মাতা জিগীষ্যাস্থদ্বেনম্মাতা পাদনকৈতঃ তথাববদ্বিস্ত
উন্নম্ববদ্বৈবদ্বৈম্মাতা পাদনকৈতঃ তথাববদ্বিস্ত
পদবদ্বৈবদ্বৈম্মাতা পাদনকৈতঃ তথাববদ্বিস্ত
তথাববদ্বৈবদ্বৈম্মাতা পাদনকৈতঃ তথাববদ্বিস্ত

নবা যামিষা উচ্যেত মানাঙ্কতা উন্মুখা বা যাতনিহুতা বিহুত্বিষ্ট মেবাভোঃ স্বপ্নম্মাতা ॥ ৩৯ ॥
উন্নম্ববদ্বৈবদ্বৈম্মাতা পাদনকৈতঃ তথাববদ্বিস্ত
পদবদ্বৈবদ্বৈম্মাতা পাদনকৈতঃ তথাববদ্বিস্ত
তথাববদ্বৈবদ্বৈম্মাতা পাদনকৈতঃ তথাববদ্বিস্ত

নাদিনঃ কৃষ্ণম্মাতা পাদনকৈতঃ তথাববদ্বিস্ত
স্বপ্নম্মাতা ॥ ৪০ ॥ স্বপ্নম্মাতা পাদনকৈতঃ তথাববদ্বিস্ত
উন্নম্ববদ্বৈবদ্বৈম্মাতা পাদনকৈতঃ তথাববদ্বিস্ত
পদবদ্বৈবদ্বৈম্মাতা পাদনকৈতঃ তথাববদ্বিস্ত

স্বপ্নম্মাতা ॥ ৪১ ॥ স্বপ্নম্মাতা পাদনকৈতঃ তথাববদ্বিস্ত
উন্নম্ববদ্বৈবদ্বৈম্মাতা পাদনকৈতঃ তথাববদ্বিস্ত
পদবদ্বৈবদ্বৈম্মাতা পাদনকৈতঃ তথাববদ্বিস্ত
তথাববদ্বৈবদ্বৈম্মাতা পাদনকৈতঃ তথাববদ্বিস্ত

১৫৩

[illegible][illegible][illegible]

নিজবিশ্বব্রহ্মচরিত্তিকী প্রবাহ ॥ ॥মহা॥ শ্রীবিশ্বনাথস্বামী বাচ্চমহাশয়িকাবীনিগনকমাম্ম
কালোচ্চাপোষায়মাস্ত্রং যৌকব্রজত যন্তমুদ্রতবাব্রজতত একতমিহাবিকাবীতিব্রহ্ম
কাবিশ্রবদন্তাচিবোদ্বিতীয়োবাজেব বাজাকিনমহাবিকাবীভবকিনেবব্রহ্ম অথদ্রপবো
দ্রুতযন্তাউপজাতিতৃপ্ত ॥ ॥বাবো॥ যমাস্ত্রতাদেবম্যকানেমমদ্র যদ্রুতদ্রদেশবত
উপবোষাতাবশ্চোতকথিত্তচালান্দ তম্যাদমনোহিত্তদ্রুতাদ্রব্রহ্মচরিত্তিকীমিহাব্রহ্মোমোমিত্তত
দ্রুতদ্রাবকম্যমিত্ততাত্তচালানোমিত্ততাত্ত উদ্রুতপতাত্ত মিত্ততকুয়েবকবোতিনব্রহ্মোষাতাদ্রজা

